Daily
लोकसभा चुनाव - 2024
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 26 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 127 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	75,410.39
निफ्टी	:	22,957.10

SARAFA

सोना	:	6,755
चांदी	:	96.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गेमिंग जोन में लगी भीषण आग, 24 लोगों की मौत

GUJARAT : गुजरात के राजकोट स्थित एक गेमिंग जोन में भीषण आग लगने से बच्चों समेत 24 लोगों की मौत हो गई। पुलिस आयुक्त राजू भार्गव ने बताया, दोपहर में टीआरपी गेमिंग जोन में आग लग गई। आग को नियंत्रण किया गया। हम यथासंभव अधिक से अधिक शव निकालने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक, लगभग 24 शव बरामद किए गए हैं। गेमिंग जोन का स्वामित्व युवराज सिंह सोलंकी नामक व्यक्ति के पास है। हम लापरवाही के लिए मामला दर्ज करेंगे। आगे की जांच तब होगी जब हम यहां बचाव अभियान पूरा कर लेंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, राजकोट में गेम जोन में आग लगने की घटना में नगर निगम और प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत कार्य के निर्देश दिए गए हैं। घायलों के तत्काल इलाज की व्यवस्था को प्राथमिकता देने का भी निर्देश दिया गया है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी आईवी खेर ने कहा, आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चला है।

वोटर टर्नआउट डेटा जारी करने में देर नहीं करेंगे : ईसी

NEW DELHI : चुनाव आयोग ने शनिवार 25 मई को कहा कि वोटर टर्नआउट डेटा जारी करने में देर नहीं की जाएगी। चुनाव में कितने वोट पड़े, कोई भी इस डेटा को बदल नहीं सकता। कुछ लोग चुनाव प्रक्रिया को खराब बताने के लिए गलत नैरेटिव फैला रहे हैं। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया, जिसमें फॉर्म 17 सी डेटा और बूथ-वाइज वोटर टर्नआउट पब्लिश करने को लेकर कोई भी निर्देश देने से इनकार किया था। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने दिल्ली में एक पोलिंग बूथ पर वोट डाला। इस दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर बात की, जिसमें चुनाव आयोग के फॉर्म 17सी डेटा और बूथ-वाइज वोटर टर्नआउट पब्लिश करने को लेकर कोई भी निर्देश देने से इनकार कर दिया है।

ताइवान को चीन ने दी जंग की धमकी

NEW DELHI : ताइवान में नए राष्ट्रपति के शपथ लेने के 4 दिन बाद चीन ने ताइवान को जंग की धमकी दी है। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने कहा है कि जब तक ताइवान चीन का हिस्सा नहीं बन जाता, इलाके में मिलिट्री एक्शन जारी रहेगा। दरअसल, चीन ने शुक्रवार को ही ताइवान के घेरकर चल रही अपनी 2 दिवसीय मिलिट्री ड्रिल पूरी की। इस युद्धाभ्यास में चीन की तीनों सेनाएं (थलसेना, वायुसेना, नौसेना) शामिल हुई थी। इस युद्धाभ्यास को ताइवान के लिए सजा के तौर पर शुरू किया गया था। ताइवान में इसी साल राष्ट्रपति पद के चुनाव हुए। इसमें चीन विरोधी नेता विलियम लाई चिंग ते को जीत हासिल हुई।

लोस चुनाव 2024 : 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों पर डाले गए वोट

छठे चरण में 58.82 प्रतिशत हुई वोटिंग

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के छठे फेज में शनिवार को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों पर वोटिंग शाम 6 बजे खत्म हो गई। चुनाव आयोग के मुताबिक, शनिवार को 58 सीटों पर शाम 6 बजे तक 58.82% वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 78.19% और सबसे कम जम्मू-कश्मीर में 51.41% मतदान हुआ। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा उत्तर प्रदेश की 14, हरियाणा की सभी 10, बिहार और पश्चिम बंगाल की आठ-आठ, ओडिशा की छह, झारखंड की चार और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर शनिवार को मतदान कराया गया। इसके अलावा ओडिशा की 42 विधानसभा सीट पर भी मतदान हुई। इस चरण में 11.13 करोड़ से अधिक लोग मतदान के पात्र थे। जिनमें 5.84 करोड़ पुरुष, 5.29 करोड़ महिलाएं और 5,120 'तृतीय लिंगी' मतदाताओं की संख्या थी। पांच फेज में 429 सीटों पर मतदान हो चुका है। 1 जून को आखिरी 56 सीटों पर वोटिंग होगी। पश्चिम बंगाल के झारग्राम से भाजपा उम्मीदवार प्रणंत टुडू पर हमला हुआ। पत्थर लगने से उनका सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। मतदाताओं को धमकाए जाने की शिकायत मिलने के बाद टुडू गरबेटा में एक बूथ का दौरा कर रहे थे। प्रणंत टुडू की कार में भी तोड़फोड़ की गई है। भाजपा ने टीएमसी पर हमले का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग ने इस पर कहा- वोटिंग शुरू होने से पहले कैंडिडेट के एजेंट साइन करते हैं। इन सेंटर्स पर टीएमसी के एजेंट मौजूद नहीं थे, इसलिए सिर्फ बीजेपी एजेंट्स के साइन हैं। पश्चिम बंगाल के तमलुक में वोटिंग से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक टीएमसी समर्थक घायल हो गया। यहां से कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज भाजपा के प्रत्याशी हैं। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग-राजौरी से पीडीपी की प्रत्याशी महबूबा मुफ्ती धरने पर बैठ गईं। उन्होंने ईवीएम के साथ छेड़छाड़ और मोबाइल फोन का आउटगोइंग कॉल बंद करने का आरोप लगाया है। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा 40, बसपा 4, बीजेडी 4, सपा 1, जदयू 3, टीएमसी 3, एलजेपी और आजसू ने 1-1 सीट जीती थीं।

रांची में मतदान के कतारबद्ध मतदाता।

सोनिया और राहुल गांधी ने डाला वोट

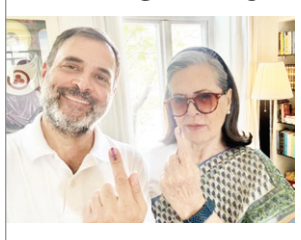

NEW DELHI : कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष व कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी ने नई दिल्ली में मतदान किया। इनके साथ कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और राबर्ट वाड्रा ने भी अपना वोट डाला। नई दिल्ली मतदान केंद्र पर प्रियंका वाड्रा अपने बेटे रेयान राजीव वाड्रा और बेटी मिराया वाड्रा के साथ देखे गए। राहुल गांधी ने कहा कि मां और मैने लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए वोट डालकर योगदान किया।

धोनी ने परिवार के साथ किया मतदान

RANCHI : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने शनिवार को परिवार के साथ रांची के श्यामली कॉलोनी स्थित जेवीएम स्कूल स्थित मतदान केंद्र में मताधिकार का प्रयोग किया। महेंद्र सिंह धोनी ने पिता पान सिंह धोनी, मां देवकी देवी, पत्नी साक्षी धोनी और भाई नरेंद्र सिंह धोनी के साथ श्यामली कॉलोनी के जेवीएम स्कूल के बूथ नंबर 318 पर मतदान किया। हालांकि, मतदान करने के बाद बाहर निकलने पर उन्होंने किसी से कोई बात नहीं की।

कल्पना सोरेन ने भी की वोटिंग

RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधानसभा की प्रत्याशी कल्पना सोरेन ने रांची के संत फ्रांसिस स्कूल में शनिवार को मतदान किया। सोरेन अपने पुत्र के साथ मतदान केंद्र पहुंची थी। लोगों के साथ पंक्ति में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद लोगों से भी बातचीत की। मतदान करने के बाद बाहर निकलने पर संवाददाताओं से बातचीत की।

झारखंड में चार सीटों के लिए मतदाताओं ने डाले वोट

रांची लोस सीट	जमशेदपुर लोस सीट	गिरिडीह लोस सीट	धनबाद लोस सीट
61.34 प्रतिशत मतदान	66.79 प्रतिशत वोटिंग	66.72 प्रतिशत मतदान	59.20 प्रतिशत वोटिंग

रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह और धनबाद सीट पर 61.41% मतदान

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को लोकसभा चुनाव के छठे चरण के तहत झारखंड में चार लोकसभा सीट पर शाम पांच बजे तक 61.41 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ था, जो शाम पांच बजे तक चला। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जमशेदपुर में सबसे अधिक 66.79 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद गिरिडीह में 66.72 प्रतिशत, रांची में 61.34 प्रतिशत और धनबाद में सबसे कम 59.20 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। राज्य में इस चरण में 93 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। रांची से कुल 27, धनबाद और जमशेदपुर से 25-25 और गिरिडीह से 16 उम्मीदवार मुकाबले में हैं। इस चरण में 40.09 लाख महिला मतदाताओं सहित लगभग 82.16 लाख मतदाता इन निर्वाचन क्षेत्रों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिये पात्र हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि सभी 8,963 मतदान केंद्रों पर करीबी नजर रखी जा रही है। इस चरण में लगभग 36,000 चुनाव कर्मियों को तैनात किया गया है। रांची लोकसभा सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय की बेटी एवं कांग्रेस नेता यशस्विनी सहाय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मौजूदा सांसद संजय सेठ के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। बाघमारा से भाजपा के विधायक ढुलु महतो और बेरमो से कांग्रेस के विधायक कुमार जयमंगल की पत्नी अनुपमा सिंह के बीच धनबाद में सीधा मुकाबला है। जमशेदपुर में, भाजपा के मौजूदा सांसद विद्युत बरन महतो और झामुमो (झारखंड मुक्ति मोर्चा) के बहरागोरा से विधायक समीर मोहंती के बीच भी सीधी लड़ाई है। गिरिडीह में ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू) पार्टी के चंद्र प्रकाश चौधरी का मुकाबला टुंडी से झामुमो के विधायक मथुरा महतो से है।

एनडीए और 'इंडिया' के बीच मुकाबला

28 मई को पूछताछ के लिए बुलाया

मनीष रंजन को ईडी ने भेजा दूसरा समन

PHOTON NEWS RANCHI : आईएएस मनीष रंजन को ईडी ने दोबारा समन भेजकर 28 मई को उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व सचिव व वर्तमान में राजस्व व भवन निर्माण विभाग के सचिव मनीष रंजन शुक्रवार को ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे थे। उन्हें दिन के 11 बजे ईडी ऑफिस में उपस्थित होना था, लेकिन इससे पहले राजस्व विभाग के एक कर्मचारी को विशेष दूत के तौर पर भेज मनीष रंजन ने तीन सप्ताह के समय की मांग की थी। उन्होंने ईडी को इस संबंध में एक पत्र भेजा था। मनीष का पत्र मिलने के बाद ईडी ने दिल्ली मुख्यालय को जानकारी दी थी। ईडी ने इस मामले में तीन सप्ताह का वक्त नहीं देने का फैसला लिया था।

खास बातें

- पहले समन पर नहीं हुए थे हाजिर
- प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हवाला देकर तीन हफ्ते का मांगा था समय
- ईडी का दावा- मंत्री से अधिकारी तक लेते थे टेंडर में कमीशन

बंगाल में 135 किमी तक हो सकती चक्रवात रेमल की गति, अलर्ट जारी

KOLKATA : बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान 'रेमल' 110-120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दे सकता है। यह 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार पकड़ सकता है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी है। बताया गया है कि 26-27 मई को पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी बारिश होगी। पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में 27-28 मई को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। तूफान के दस्तक देने के समय समुद्र में 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंका है, जिससे तटीय पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के निचले इलाके डूब सकते हैं। इसलिए मौसम विभाग की ओर से राज्य सरकार को तटवर्ती क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने मछुआरों को 27 मई की सुबह तक बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग में समुद्र में न जाने का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने 26 और 27 मई यानि रविवार और सोमवार को पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

प्रधानमंत्री ने पटना में रामकृपाल यादव के समर्थन में की जनसभा

पीएम मोदी बोले- 'इंडी' गठबंधन के पास काम नहीं, देशवासियों ने कर दी है छुट्टी

AGENCY PATNA : शनिवार को एक और बिहार में छठे चरण का चुनाव चल रहा था तो दूसरी और अंतिम चरण के चुनाव के लिए पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। यहां 1 जून को वोटिंग होनी है। प्रधानमंत्री यहां से भाजपा के उम्मीदवार रामकृपाल यादव के लिए जनता से समर्थन मांग रहे थे। पाटलिपुत्र संसदीय लोकसभा क्षेत्र के बिक्रम प्रखंड स्थित कृषि भवन में जनसभा को पीएम ने संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि एकतरफ 24 घंटे झूठ बोलने वाला 'इंडी' गठबंधन है तो दूसरी तरफ आपके लिए मोदी है, जो 24 घंटे सातों दिन देश की सुरक्षा बढ़ाने में और देश को आत्मनिर्भर बनाने में जुटा है।

चुनावी जनसभा में जनता का अभिवादन स्वीकार करते पीएम नरेंद्र मोदी।

एक ही घर में रोशनी करता है लालटेनिया

पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत करते हुए कहा कि ये धरती स्वर्गीय कैलाशपति मिश्र की विरासत है। पीएम मोदी के लिए बीच में ही जमकर नारे लगने लगे। जिसके बाद पीएम ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि आपलोग मनेर के लड्डू खाकर आए हो। मनेर का लड्डू मशहूर तो है लेकिन लग रहा इसकी ताकत भी काफी अधिक है। पीएम ने 4 जून के लिए लड्डू तैयार रखने की बात कही। पीएम मोदी ने राजद पर हमला करते हुए कहा कि यहां ऐसा लालटेनिया है जो सिर्फ एक ही घर में रोशनी करता है। इतिहास देख लीजिए। इस लालटेनियों ने बिहार में अंधेरा ही अंधेरा फैलाया। पीएम ने कहा कि मैं गारंटी देता हूं जबतक मोदी जिंदा है, एससी, एसटी, पिछड़ों के हक को छीनने नहीं दूंगा। मोदी के लिए बाबा साहेब अंबेडकर की भावना और संविधान सर्वोपरि है।

मोदी ने अग्निपथ योजना थोपकर युवाओं के साथ किया धोखा : राहुल गांधी

NEW DELHI : शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अग्निपथ योजना जबरदस्ती थोपकर उन युवाओं के साथ धोखा किया है जो सेना में भर्ती होने का सपना देखते हैं। उन्होंने एक टेम्पो पर कुछ ऐसे युवाओं से बातचीत का वीडियो एक्स पर साझा किया जो सेना में भर्ती होना चाहते थे, लेकिन अग्निपथ योजना लागू होने के कारण उनका सपना पूरा नहीं हो सका। राहुल गांधी ने कहा, देशभक्ति के टेम्पो में सवारी के दौरान युवाओं की पीड़ा को और करीब से जाना।

चिंताजनक पिछले 10 सालों में सामने आए 65 हजार मामले, 4.69 लाख करोड़ रुपये का हुआ घोटाला

साइबर क्राइम में घुसा डिजिटल हाउस अरेस्ट का तरीका

AGENCY NEW DELHI : यह अत्यंत चिंताजनक है कि देश में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। लोगों को निशाना बनाने के लिए नए-नए तरीके खोजे जा रहे हैं। धोखाधड़ी के लिए एक नया तरीका डिजिटल हाउस अरेस्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट से पता चला है कि 2023 के दौरान देश में 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी हुई। हाउस अरेस्ट में नकली पुलिस स्टेशन, सरकारी कार्यालय स्थापित करने और ईडी जैसी वर्दी पहनने जैसे हथकंडे भी अपनाए जा रहे हैं। पिछले एक दशक में, भारतीय बैंकों ने धोखाधड़ी के 65,017 मामलों की सूचना दी है, जिसके कारण कुल 4.69 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। साइबर अपराधी बेखबर लोगों को धोखा देने के लिए यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, ओटीपी, जॉब और डिलीवरी स्कैम सहित कई तरह के तरीके अपनाते हैं।

गिरफ्तारी का भी किया जाता है नाटक

साइबर ठगी में अपराधी पीड़ित को गिरफ्तार करने का नाटक भी कर सकते हैं। वे नकली पुलिस स्टेशन या सरकारी कार्यालय स्थापित करने और सरकारी वर्दी पहनने जैसे तरीके भी अपनाते हैं। इसे डिजिटल गिरफ्तारी कहा जाता है। डिजिटल गिरफ्तारी का सबसे पहला मामला उत्तर प्रदेश के नोएडा में दर्ज किया गया। यहां पिछले साल दिसंबर में एक व्यक्ति को मनगढ़ंत मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाया गया। अपराधियों ने पीड़ित के सामने खुद को सीबीआई के आईपीएस अधिकारी और बंद हो चुकी एयरलाइन के संस्थापक के रूप में पेश किया।

केस नबंर 1 जयपुर के व्यापारी ने गंवाए 50 लाख

राजस्थान के जयपुर के बजाज नगर में रहने वाले एक व्यापारी के पास 16 अप्रैल को एक फोन आया। सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि वो दिल्ली एयरपोर्ट से बोल रहा है। आपके द्वारा चाइना भेजे जा रहे पार्सल में 300 ग्राम हेरोइन, फर्जी पासपोर्ट व 15 सिम कार्ड मिले हैं। इस दौरान पीड़ित ने बताया कि उसने कोई पार्सल नहीं भेजा। कुछ समय बाद खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बता रहे व्यक्ति ने वेरिफिकेशन के लिए आधार कार्ड मंगवा लिया। जांच के बाद व्यापारी के आधार कार्ड से 9 राज्यों में बैंक अकाउंट खोलना बताया गया।

केस नबंर 2 महिला प्रोफेसर से ठगे 7.67 करोड़

राजस्थान के झुंझुनूं जिले की एक महिला प्रोफेसर को साइबर ठगों ने तीन महीने तक ऑनलाइन मॉनिटरिंग में रखा। इस दौरान महिला प्रोफेसर से हर दो घंटे में रिपोर्ट मांगी गई कि वह किन लोगों से मिल रही है और कहां जा रही है। ठगों ने जगह के वेरिफिकेशन के लिए सेल्फी भी मांगी। महिला को आरोपियों ने डिजिटल वेरिफिकेशन के नाम पर धमकाया और पूरी संपत्ति अटैच करने की कहानी रच डाली। आरोपियों ने तीन महीने में महिला से अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 7.67 करोड़ रुपए ठग लिए।

देश के पहले सर्जिकल रोबोट ने कार्डियक सर्जरी कर रचा इतिहास

NEW DELHI : एसएस इनोवेशन्स द्वारा निर्मित 'मेड-इन-इंडिया' सर्जिकल रोबोट सिस्टम एसएसआई मंत्रा ने सफलतापूर्वक 100 रोबोटिक कार्डियक सर्जरी पूरे कर इतिहास रच दिया है। इस तकनीक के साथ अब तक एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास, आंतरिक स्तन धमनी टेकडाउन, माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट और द्विपक्षीय आंतरिक स्तन धमनी टेकडाउन जैसी सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया है। शनिवार को कंपनी के एसएस इनोवेशन के अध्यक्ष और सीईओ डॉ। सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि एसएसआई मंत्रा के साथ इस मील के पत्थर तक पहुंचना एसएस इनोवेशन के रणनीतिक बाजार विस्तार में एक और मील का पत्थर है। हमारा मकसद रोबोटिक सर्जरी के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि एसएसआई मंत्रा की डिजाइन इसे जटिल हृदय संबंधी सर्जरी करने में सक्षम बनाती है।

छत्तीसगढ़ में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बीजापुर में 33 नक्सलियों ने किया सरेंडर, इनमें 2 महिलाएं

AGENCY BIJAPUR : शनिवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में दो महिलाओं सहित 33 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। इनमें से तीन नक्सलियों पर कुल पांच लाख रुपये का नकद इनाम है। बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि नक्सलियों ने जिले के वरिष्ठ पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि नक्सली आदिवासियों पर माओवादियों द्वारा किए गए अत्याचारों और 'खोखली' माओवादी विचारधारा से निराश हैं तथा वे पुलिस की पुनर्वास नीति से भी प्रभावित हैं। बता दें कि आत्मसमर्पण करने वाले 33 कैडर में दो महिलाएं भी शामिल हैं, जो माओवादियों की गंगालूर क्षेत्र समिति के तहत विभिन्न शाखाओं और संगठनों में सक्रिय थीं।

- तीन नक्सलियों पर कुल पांच लाख रुपये का रखा गया है नकद इनाम

कविता

अविनाश कुमार सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

नदी सी वह

रोज की तरह आज भी
मुंह अंधेरे जगी है वह
बिन खटके घरौंदा संवार रही सुबह से
मंदिर की घंटी में भर आई है दुआओं की टिनटुन
और, ईश्वर के माथे पर धर आई है कत्थई तिलक
उसने रूई के बिखरते फाहों को चुटकी में पकड़
गोल कर दिया है पृथ्वी की तरह
और आंखों के नेह से पृथ्वी को सींच रही है
मोगरे की सुगंध उसकी सांसों से उतर
समाती जा रही है घर में
समय की अनगिन परतें पार कर गई वह
बिन थके।

आज भी रसोई में उसी के कदम तरंगित हैं
रख आई है पहला निवाला आज भी बाहर अलंगी पर
धूप और हवा से अनकहे रिश्ते के भरोसे के लिए
कि उसे खयाल है भरोसे का
उसे चिड़िया के रंगीन होते पंखों की सुध है
मालूम है चूजे की भूख की परिधि
वह त्रिकाल में दौड़ती है
बिन रुके।

उसे पता है कि कब धरती अधिक उर्वर होती है
धान और गेहूं को बरतने का सही सलीका भी
जानती है
बादलों के रंगढंग बूझती है वह
अक्षरों के खूब भीतर धंसकर निरक्षर बनी है
उसे शब्दों के असर की भी समझ है
नदी सी वह
एक मद्धिम मुस्कान ओढ़े बह रही है युगों से
बिन कहे।

निशि कुमारी ओझा
जमशेदपुर

उदंत मार्तण्ड

उदंत हुआ मार्तण्ड हिंदी पत्रकारिता के गौरव का
पंडित जुगल किशोर शुक्ल की परिकल्पना से
मानों सोया भाग्य जाग उठा कर्मठ, देश अनुरागी,
भारत के कलमकार वीरों का।

कलकत्ता से क्रांति का किया शंखनाद
तोड़ने को तंद्रा कलम के सिपाही, कलम के
मजदूरों का
बताने को क्रांति का महत्व
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र निकाला
कई परेशानियां, झेलकर मुसीबतें भारतीयों को
स्वतंत्रता आकांक्षी अखबार पढ़ाया।

कड़ी धूप की तपिश, बारिश के छींटे, सर्दी की
ठिठुरन या मौसम के थपेड़े, विचलित करते नहीं एक
पत्रकार को कि खोए वह धैर्य अपना या फिर
कर्तव्य से अपने वह मुंह मोड़े।

विचारों की क्रांति लाकर, देशभक्ति की अलख
जगा कर
आजीवन मार्गदर्शक बनकर पत्रकारों का
और बनकर हिन्दी पत्रकारिता का सूर्य
'उदंत मार्तंड' अपने 'अस्ताचल' को आया।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

शिव की जादुई दुनिया और एक करोड़ श्रापित देवता

घुमक्कड़ की पाती ऐतिहासिक घटनाओं ने अगरतला के आज के स्वरूप को बनाने में योगदान दिया है और जो पर्यटक यहां अपनी यात्रा की योजना बनाते हैं, वे अक्सर शहर के इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाजों और अन्य उल्लेखनीय पहलुओं के बारे में बहुत कुछ सीखकर लौटते हैं।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

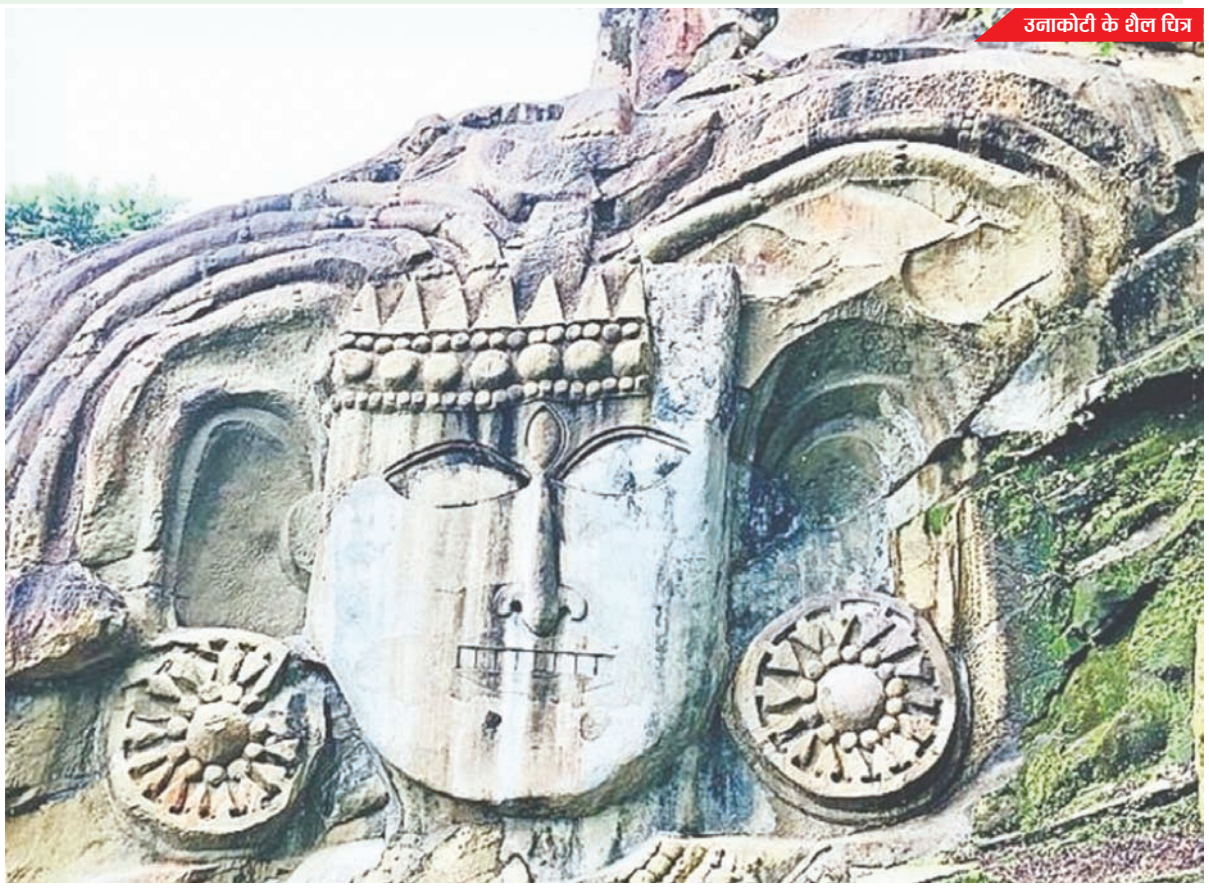

उनाकोटी के शैल चित्र

भारत में ऐसी जगहों की कोई कमी नहीं, जिनकी बनावट और सुंदरता हमें अचंभित करती हो। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला स्थित उनाकोटी एक ऐसी ही जगह है। अगरतला एक बहुत ही अच्छा और लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। इस जगह की प्राकृतिक सुंदरता और व्यापक इतिहास लोगों को अपनी तरफ खींचता है। त्रिपुरा राज्य की राजधानी के तौर पर भी इसकी अपनी एक बहुत ही विशिष्ट पहचान है। इस जगह के इतिहास को खंगालने पर पता चलता है कि यह कई प्रसिद्ध राजवंशों का गवाह रहा है और जब यह ब्रिटिश शासन के अधीन था, तो इसे शाही राज्य के रूप में जाना जाता था। इन ऐतिहासिक घटनाओं ने अगरतला के आज के स्वरूप को बनाने में योगदान दिया है और जो पर्यटक यहां अपनी यात्रा की योजना बनाते हैं, वे अक्सर शहर के इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाजों और अन्य उल्लेखनीय पहलुओं के बारे में बहुत कुछ सीखकर लौटते हैं। हावड़ा नदी के तट पर स्थित अगरतला पर्यटन स्थल कई अन्य पर्यटन स्थलों से अलग है, क्योंकि यह सेवन सिस्टर्स राज्यों में से एक है।

इस जगह पर जब पहुंचा, तो मुझे गोंडचेरा वन्यजीव अभयारण्य, रोवा वन्यजीव अभयारण्य, नीरमहल और कमला सागर के बारे में तो पता था, लेकिन उनाकोटी के बारे में बिलकुल भी नहीं पता था। लेकिन इस जगह के बारे में मुझे टुकड़ों-टुकड़ों में जानने का अवसर मिला, तो लगा कि क्यों न इस जगह पर चला जाए। मैंने अगरतला से उनाकोटी के लिए टैक्सी बुक की और तकरीबन चार-पांच घंटे की राइड के बाद इस जगह पर पहुंचा।

शैल चित्रों और मूर्तियों का भंडार

यह स्थान काफी सालों तक अज्ञात रूप में इस जगह पर मौजूद रहा है, हालांकि अब भी बहुत लोग इस स्थान का नाम तक नहीं जानते हैं। जंगलों के बीच शैल चित्रों और मूर्तियों का यह भंडार किसी को भी आश्चर्य में डाल सकता है। एक बार इसके बारे में जान लेने के बाद कोई भी इस जगह की यात्रा करने से शायद ही खुद को रोक पाए। सच कहूं तो त्रिपुरा आने के पीछे का मेरा सबसे बड़ा आकर्षण उनाकोटी ही रहा है। भगवान शिव का यह रहस्यमयी संसार न जाने क्यों, वर्षों से मुझे अपनी तरफ आकर्षित करता रहा है। यह स्थान जितना अद्भुत है, उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प इसका इतिहास है।

स्थानीय लोगों की मानें, तो यहां का इतिहास पौराणिक काल की एक घटना से जुड़ा है, जिस कारण यह रहस्यमयी स्थान विकसित हो पाया। आखिर वह रहस्य है क्या? इसी बात को जानने-समझने के दौरान मुझे उनाकोटी के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल हुईं, जो इस लेख के माध्यम से मैं आप सबको बताने की कोशिश कर रहा हूं। यह जानकारी मुझे कई तरह से महत्वपूर्ण लगी तो सोचा कि इसे अवश्य साझा करना चाहिए। इस जगह के कई पहलू हैं, जिसमें से कुछ धार्मिक और पौराणिक हैं तो कुछ ऐतिहासिक और भौगोलिक। हम जैसे ही इसके बारे में जानने-समझने का प्रयास करते हैं, ये पहलू और भी ज्यादा दिलचस्प बन जाते हैं।

कोई नहीं सुलझा सका मूर्तियों का रहस्य

भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो उनाकोटी एक पहाड़ी इलाका है, जो दूर-दूर तक घने जंगलों और दलदली इलाकों से भरा है। इस तरह जंगल के बीच जहां आसपास कोई बसावट नहीं थी, एक साथ इतनी मूर्तियों का निर्माण कैसे संभव हो पाया, यह आज भी शोध का विषय है। कहते हैं कि यहां कुल 99 लाख 99 हजार 999 पत्थर की मूर्तियां हैं, जिनके रहस्यों को आज तक कोई भी सुलझा नहीं पाया है।

यह मूर्तियां कब और किसने बनाई, यह किसी को नहीं पता, पर इस जगह के बारे में कहा जाता है कि एक करोड़ देवता इसी रास्ते से होकर काशी जा रहे थे और थकने के बाद इस जगह पर ठहर गए। शिव भगवान ने शर्त रखी थी कि सभी सुबह होने से पहले इस जगह को छोड़ देंगे, लेकिन देवता सुबह होने तक सोये रह गए और उन्होंने क्रोधित होकर श्राप दे दिया। इसकी वजह से सब के सब पत्थर में परिवर्तित होकर इसी जगह पर जम गए और शिव काशी चले गए।

इस जगह की सबसे खास बातों में यहां मौजूद असंख्य हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। यहां पहुंचने पर दो तरह की मूर्तियां दिखाई देती हैं। एक पत्थरों को काट कर बनाई गईं मूर्तियां और दूसरी पत्थरों पर उकेरी गईं मूर्तियां। उनाकोटी की इस रहस्यमयी दुनिया में ज्यादातर हिन्दू धर्म से जुड़ी प्रतिमाएं हैं, जिनमें देवी दुर्गा, भगवान विष्णु, भगवान शिव और गणेश भगवान आदि की मूर्तियां हैं। इन मूर्तियों को कब, किसने और क्यों बनाया, इस बात का कोई ठोस आधार नहीं मिलता।

ऐसे नाम पड़ा उनाकोटी

इस जगह का नाम उनाकोटी कैसे पड़ा, इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है। कहा जाता है कि इन मूर्तियों का निर्माण कभी किसी कालू नाम के शिल्पकार ने किया था। मान्यता है कि यहां कालू शिल्पकार भगवान शिव और माता पार्वती के साथ देवलोक जाना जाता था, लेकिन यह मुमकिन नहीं था।

शिल्पकार की जाने की जिद के कारण शर्त रखी कि अगर वो एक रात में एक करोड़ (एक कोटि) मूर्तियों का निर्माण कर देगा तो वो भगवान शिव और पार्वती के साथ कैलाश जा पाएगा। यह बात सुनते ही शिल्पकार काम में जुट गया, उसने पूरी रात मूर्तियों का निर्माण किया। लेकिन सुबह जब गिनती हुई तो पता चला कि उसमें एक मूर्ति कम है। इस तरह वो शिल्पकार धरती पर ही रह गया और शिव देवलोक चले गए। स्थानीय भाषा में एक करोड़ में एक कम संख्या को उनाकोटी कहा जाता है। तभी से इस जंगली और दलदली इलाके का नाम उनाकोटि, फिर उनाकोटी पड़ गया।

इस जगह पर यदि आप भी जाना चाहते हैं तो आपको सबसे पहले त्रिपुरा की राजधानी अगरतल्ला पहुंचना होगा और फिर टैक्सी या फिर सार्वजनिक पर्यटन के साधनों के माध्यम से उनकोटि। उनाकोटि बहुत छोटी सी जगह है पर आपको ठहरने के लिए होटल आदि मिल जाएँगे। इस जगह के पर्यटन स्थलों के अलावा यहाँ का प्राकृतिक वातावरण और मौसम बहुत ही लाजवाब है। इस जगह पर आकर आप अपना कुछ समय शांति और सकून की तलाश में भी बिता सकते हैं।

पक्षी ■ पुराण

पैराडाईज फ्लाईकैचर : अद्वितीय सौंदर्य

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व-भारती, शांति निकेतन

इंडियन पैराडाईज फ्लाईकैचर (मादा)।

इंडियन पैराडाईज फ्लाईकैचर (नर)।

मार्च के अंत तक इंडियन पैराडाईज फ्लाईकैचर झारखंड के सखुआ के जंगलों में आ चुका होता है। अप्रैल से मई के बीच यह जोड़ी बना कर घोंसले के निर्माण में जुट जाता है। जून में इसके बच्चे अंडों से बाहर आ जाते हैं। जुलाई तक यह विदा ले लेते हैं। पक्षी प्रेमियों को चार महीने व्यस्त रखने के लिए यह अकेला ही काफी है। कई मामलों में यह अपने किस्म का अनूठा पक्षी है। यूं तो यह बुलबुल की ही प्रजाति का पक्षी है। इसलिए इसे शाही बुलबुल भी कहते हैं और शायद इसकी दूधिया सफेदी के कारण इसका एक नाम दूधराज भी है। इसकी एक अनूठी विशेषता नर का दो रंगों में पाया जाना है। दूधिया सफेद वाला तो निश्चित तौर पर नर होता है। लेकिन जब वह पूरी तरह से परिपक्व नहीं हुआ होता है तो एक गहरे केसरिया मिश्रित भूरेपन को धारण करता है। जब किशोरावस्था की दहलीज लांघकर वह युवावस्था में पदार्पण कर रहा होता है, तो यह केसरिया मिश्रित भूरापन सफेदी में तब्दील होना आरंभ होता है। जब वह अपने जिस्म में इन दो रंगों को एक साथ धारण किये रहता है, वह अवस्था मोल्टिंग कहलाती है। मादा केसरिया मिश्रित भूरेपन को ही धारण करती है और उसकी पूंछ इतनी लंबी नहीं होती है। मादा की तुलना में नर थोड़ा संकोची होता है। फोटोग्राफी के दौरान मनुष्यों की उपस्थिति के प्रति मादा जितनी लापरवाह होती है, उतना नर नहीं। नर हमेशा मनुष्यों की मौजूदगी को लेकर ज्यादा संवेदनशील रहता है और एक दूरी बनाये रखता है।

भारत के अलग-अलग भूभाग में इसे अलग-अलग वृक्षों पर घोंसला बनाते हुए पाया गया है। लेकिन झारखंड-बंगाल के अपने जमीनी अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि उन्हें यहां बांस और सखुआ के वृक्ष घोंसलों के लिए सर्वाधिक मुफीद लगते हैं। इनके घोंसले बया की तरह कलात्मक तो नहीं होते हैं, पर इसकी संरचना बहुत अनूठी होती है। अनूठी इस अर्थ में कि इनके आकार की तुलना में इनका घोंसला बहुत छोटा होता है। एक छोटी चाय की प्याली जितनी। इतना छोटा कि उसमें इन्हें बैठे हुए आप देख न लें, तो यकीन करना मुश्किल हो कि यह इन्हीं का है। इसके लिए वृक्ष की जिस शाखा का यह चुनाव करते हैं, वह दतुवन से ज्यादा मोटी नहीं होती है।

सुरक्षा का पूरा ख्याल

आंखों के आगे होकर भी अपनी बनक के कारण इनका घोंसला लगभग अदृश्य-सा रहता है। बल्कि घोंसला बनाने के क्रम में भी यह पर्याप्त गोपनीयता बरतते हैं। बना लेने के बाद भी कुछ दिनों के लिए छोड़ देते हैं और आनेवाले संभावित खतरों का आकलन करते हैं। सब तरीके से आश्वस्त होने के बाद उसमें अंडे देते हैं। नर और मादा बारी-बारी से अंडे सेने का काम करते दिखते हैं। एक बार में बहुत आसानी से चार बच्चे यह पाल-पोष कर बड़ा कर लेते हैं। चूजों के बाहर आने के बाद परवरिश की इनकी कोशिश और समर्पण को देख कर बतौर मनुष्य, आप खुद को बेहद छोटा महसूस कर सकते हैं। अपने आब्जर्वेशन के दौरान मैंने पाया कि अपने बच्चों की पूप तक को घोंसले में गिरने नहीं देते हैं कि उससे किसी परभक्षी को इनके बच्चों का पता न मिल जाये। बच्चे भी अपने माता-पिता की मौजूदगी में विष्ठा करते हैं, जिसे अपनी चोंच में दबा कर यह कहीं दूर ले जाते हैं। जिससे उसकी गंध से भी किसी को इनके बच्चों का सुराग ना मिले। साँप को आम तौर पर तोता-मैना आदि के चूजों का शिकार करते हुए मैंने पाया है। कोटरों में जो चूजे पलते हैं, वह धामिन साँप का आसान शिकार होते हैं। इंडियन पैराडाईज फ्लाईकैचर को असली खतरा महोख (ग्रेटर कोकल) जैसे परभक्षियों से होता है। यदि आप जंगल में वक्त गुजारें तो पक्षियों की हैरान करनेवाली गतिविधियाँ आपको देखने को मिल सकती हैं। दूसरों के घोंसलों में ताक-झांक करनेवाले पक्षियों की संख्या कम नहीं है। जैसे मैंने इस साल गोल्डेन ओरियोल, और कॉमन आयोरा को बुलबुल के घोंसले को नुकसान पहुंचाते हुए पाया। इसका कोई अर्थ मैं नहीं तलाश सका। इससे पहले ऐसा कुछ मैंने नहीं देखा था। जिन जंगलों में बंदर बहुतायत में होते हैं, वहाँ कई पक्षी घोंसला बनाने से बचते हैं।

बर्ड वॉचर के लिए अविस्मरणीय अनुभव

जंगल में पैराडाईज फ्लाईकैचर को उड़ते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है। सफेद और भूरी पूंछों के साथ जब यह दूरियां तय कर रहे होते हैं, उसे कैमरे में कैद करना खासा चुनौतीपूर्ण होता है। यह ड्रोंगों के भांति ही उड़ते हुए पानी पीना पसंद करते हैं। तो जंगल के आस-पास या बीच में कोई पानी का स्रोत मिल जाये, जिसमें यह पानी पीना पसंद करते हों तो वह अकेले बर्ड फोटोग्राफर्स के ड्रीम डेस्टिनेशन में शामिल होने के लिए पर्याप्त है। झारखंड के होरहाप में ऐसी जगह मौजूद है, लेकिन ओड़िशा का बिनिका या बिन्का इस मामले में सबसे बेहतर है। जंगल में पैराडाईज फ्लाईकैचर की तस्वीरों में और पानी के पास की तस्वीरों में जमीन-आसमान का अंतर होता है। दोनों बिलकुल दो जुदा दुनिया की तस्वीरें होती हैं। अकेले यह पक्षी इतने सुंदर और विविधतापूर्ण क्लिक देने में सक्षम है कि पूरा एक सीजन इसके पीछे गुजारा जा सकता है।

फ्लाईकैचर का पसंदीदा आहार तितली

फ्लाईकैचर पक्षियों पर अपने बच्चों की परवरिश के दौरान इन पर शिकार करने का भयंकर दबाव होता है। नर और मादा बिना थके तितलियाँ और अन्य कीट पकड़ने में लगभग हलकान रहते हैं। एक साथ चार चूजों का पेट भरना कतई आसान काम नहीं है। एक घटना का जिक्र करना चाहूँगा। फ्लाईकैचर के चूजे उड़ने लायक हो गये थे। अब माँ उन्हें घोंसले से निकाल कर टहनियों और पत्ते के पीछे कुछ दिन उड़ने और छिप कर बैठने का प्रशिक्षण दे रही थी। भूख लगने पर यह एक हल्की-सी शोर करते थे। अलग-अलग जगहों से हल्की आवाज के कारण लोकेट करने में मुश्किल आ रही थी। पर तब इनकी माँ चोंच में तितली दबाये आई और चारों निकलकर एक टहनी में आ जुटे। उनमें से एक थोड़ा कमजोर था। बाकी तीन अपेक्षाकृत बेहतर थे। चारों एक साथ चोंच खोले प्रतीक्षारत थे, लेकिन माँ ने अपना वह शिकार अपेक्षाकृत कमजोर बच्चे को खिलाना पसंद किया। उसके बाद फिर वह अगले शिकार के लिए उड़ गई। मातृत्व की जो संवेदना उसमें मौजूद थी, वह किसी मामले में मनुष्यों से कमतर नहीं थी, बल्कि अपने बच्चों को बड़ा करने का जो उपक्रम था, वह ज्यादा श्रमसाध्य था। सराहनीय था। नष्ट होते जंगलों के साथ कितना कुछ हम गंवाते चले जा रहे हैं, इन बातों को शायद हम महसूस नहीं कर पा रहे हैं।

BRIEF NEWS

रांची लोकसभा क्षेत्र में सभी बूथों पर वेब कास्टिंग से हुई निगरानी

RANCHI : रांची लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी 2037 बूथों पर रांची समाहरणालय स्थित कंट्रोल रूम से शनिवार को वेब कास्टिंग से नजर रखी जा रही थी। हर बूथ के भीतर और बाहर 4-डी कैमरे लगाए गए थे और मतदान प्रक्रिया की लाइव स्थिति पर नजर रखी जा रही थी। कमरा संख्या-207 से रांची जिला के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में लगातार पैनी नजर रखी जा रही है। सभी मतदान केंद्रों में चल रहे मतदान प्रक्रिया की वेबकास्टिंग के माध्यम से निगरानी उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव कर रहे थे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की ओर से लगातार कंट्रोल रूम में प्रतिनियुक्त सम्बंधित सभी पदाधिकारियों, ऑपरेटरों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे थे। वेब कास्टिंग की मदद से वोटिंग स्पीड की भी मॉनिटरिंग की जा रही थी ताकि किसी भी मतदाता को असुविधा न हो।

एसएसपी ने केंद्रों का किया निरीक्षण, वोटरों के लिए लगवाए टेंट

RANCHI : रांची लोकसभा क्षेत्र में शनिवार को सुबह सात बजे से मतदान की प्रक्रिया जारी है। कांके रोड स्थित जवाहर नगर में बूथ केंद्र संख्या 340 पर धूप में मतदाताओं को काफी परेशानी हो रही थी। मतदाताओं ने एसएसपी चंदन सिन्हा को परेशानी बतायी। इसके बाद एसएसपी ने मामले को गंभीरता से लिया और रांची पुलिस लाइन से टेंट मंगवाकर बूथ पर लगाने का निर्देश दिया। टेंट लगने के बाद लोगों को धूप से राहत मिली और मतदाता लाइन में लगकर वोटिंग कर रहे हैं। दूसरी ओर, पुलिस ऑब्जर्वर, रांची एसएसपी और कोतवाली डीएसपी ने हिंदपीढ़ी इलाके में संवेदनशील बूथों का निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों ने इस्लामिया मरकज, उर्दू विद्यालय सहित अन्य संवेदनशील बूथों के निरीक्षण किया। साथ ही बूथों पर तैनात जवानों को कई दिशा-निर्देश भी दिये। हिंदपीढ़ी इलाके में स्थित बूथों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारे लगी हैं। हालांकि, जैसे-जैसे दिन चढ़ने लगा है, लोगों की भीड़ थोड़ी कम हो गयी है। रांची लोकसभा क्षेत्र में सभी बूथों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो रहा है। कहीं से भी किसी प्रकार अप्रिय घटनाओं की खबर अबतक नहीं आयी है। लोकसभा चुनाव के स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण समापन के दृष्टिकोण से एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा बाइक क्यूआरटी के साथ मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे हैं।

सभी विधानसभा में शांतिपूर्वक मतदान संपन्न : उपायुक्त

RANCHI : रांची जिला निवार्ची पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि रांची लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभाओं में शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि शनिवार को सुबह सात बजे से ही सभी मतदान केंद्र पर वोटिंग शुरू हो गयी थी। सभी पोलिंग पार्टी, सेक्टर ऑफिसर ,जोनल ऑफिसर पूरी तरह से मुस्तैद रहे। समय-समय पर लॉ एंड आर्डर से संबंधित प्रतिवेदन भी लगातार प्राप्त किये जा रहे थे। रांची लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी 2037 बूथों पर कंट्रोल रूम से वेब कास्टिंग हो रही थी। जिले में एक फूल फेज कंट्रोल रूम काम कर रहा थाए जहां जहां से किसी भी प्रकार के सुझाव और शिकायत आ रही थी। वहां तुरंत त्वरित कार्रवाई की जा रही थी। सभी पोलिंग पार्टी ईवीएम मशीन लेकर धीरे-धीरे पहुंच रहे है। ईवीएम की सुरक्षा के लिए कड़े और पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। सिन्हा शनिवार रात पंडरा बाजार समिति प्रांगण में बनाए गये स्ट्रांग रूम में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि स्ट्रांग रूम की त्रिस्तरीय सुरक्षा होगी।

तपिश के बाद भी लगी रही वोटरों की लंबी कतार

रांची में 61.34 प्रतिशत हुआ मतदान, पिछले चुनाव से 3.15 फीसद कम

PHOTON NEWS RANCHI : रांची संसदीय क्षेत्र के चुनाव में शनिवार सुबह मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान तापमान और मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखने को मिली। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्रों तक पहुंचे। जिसका नतीजा निकला कि रांची संसदीय क्षेत्र में 61.34 प्रतिशत मतदान हुआ।जैसे-जैसे सूरज की तपिश बढ़ती गई, वैसे-वैसे मतदाताओं की संख्या में भी बढ़ोतरी होता गया। युवा, दिव्यांग, असहाय, बुजुर्ग और महिलाएं भी काफी संख्या में मतदान करने के लिए केंद्रों तक पहुंचे। मतदान शुरू होने के एक घंटे पहले सुबह के छह बजे से ही मतदाताओं की लंबी लाइन बूथों पर लग गई थी। रांची में खुशनुमा मौसम की भविष्यवाणी भी गलत साबित हुई। तपिश के बाद भी मतदाताओं की लंबी कतार बूथों पर लगी रही। रांची शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह-सुबह

मतदान के लिए कतार में लगे वोटर। ● फोटोन न्यूज

कैसे बढ़ता गया मतदान का प्रतिशत

लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में गजब का उत्साह दिखा। लोग सूरज निकलने के साथ ही मतदान केंद्रों तक पहुंच गए थे। लोगों ने मतदान शुरू होने से मतदान समाप्त होने तक इस उत्साह बनाए रखा। निर्वाचन आयोग और सरकारी-गैर सरकारी संगठनों द्वारा मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी के लिए मतदाता जागरूक अभियान चलाने का प्रयास भी रंग लाया। चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित मतदान शुरू होने के समय सुबह सात बजे के पहले से ही बूथों पर मतदाताओं की कतार लग गई थी। सुबह-सुबह ही मतदाताओं का उत्साह देखने लायक था। ज्यादातर मतदाता अपने परिवार के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे। तापमान की परवाह किए बिना युवा मतदाता भी अपने वोट देने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। अंतिम समय में भीड़ कम नहीं हुई और लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया।

मतदान कार्य धीमी गति से चली। सुबह के 9.00 बजे रांची का तापमान 30 डिग्री रहा। इस कड़ी धूप में मतदाता लाइन में लगकर वोट देने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। जिसका नतीजा यह निकला कि सुबह के नौ बजे रांची का मतदान प्रतिशत 12.19 रहा। इसके बाद सुबह के 11 बजे तापमान बढ़कर 34 डिग्री सेल्सियस हो गया और मतदान प्रतिशत बढ़कर 41.83 प्रतिशत पहुंच गया। दोपहर 3 बजे तापमान 35 डिग्री सेल्सियस ही बना रहा और मतदान प्रतिशत बढ़कर 54.25 प्रतिशत हो गया। शाम 5 बजे तापमान 34 डिग्री सेल्सियस था और कुल मतदान प्रतिशत 59.09 प्रतिशत पहुंचकर रुक गया। इधर तपिश के बाद भी मतदान केंद्रों पर वोटरों की लंबी-लंबी कतार लगी रही। जिसका नतीजा यह निकला कि रांची संसदीय क्षेत्र में 59.09 प्रतिशत मतदान हुआ। यह मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव की तुलना में 5.40 प्रतिशत कम रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में रांची संसदीय क्षेत्र के लिए 64.49 प्रतिशत मतदान हुआ था। रांची में पारा चढ़ने के बावजूद लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाताओं ने निष्पक्ष मतदान किया।

विधानसभावार मतदान प्रतिशत

ईचागढ़ विधानसभा-50	76.55
सिल्ली विधानसभा-61	65.34
खिजरी विधानसभा-62	63.05
रांची विधानसभा-63	54.90
हटिया विधानसभा-64	55.00
कांके विधानसभा-65	54.61

वोटरों के लिए हुआ महाभंडारा, हजारों लोगों ने प्रसाद के रूप में किया भोजन

मतदान के बाद भोजन करते लोग। ● फोटोन न्यूज

RANCHI : शनिवार को मतदान के दिन श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति भुतहा तालाब रांची के अध्यक्ष शंकर दुबे ने भव्य भंडारा का आयोजन किया। लोकतंत्र के महापर्व के दिन हजारों की संख्या में मतदाताओं ने मतदान करके भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। श्री शंकर दुबे ने फेसबुक में लाइव आकर सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि शत-प्रतिशत मतदान करें, क्योंकि आपका एक-एक वोट बहुमूल्य है। आपका एक मतदान देश और राज्य को विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कई बार मंदिर प्रांगण से अपील भी की क जो मतदाता अभी तक मतदान नहीं किए हैं, वो जाकर जल्द से जल्द मतदान करें और एक अच्छे सच्चे और जागरूक नागरिक होने का फर्ज अदा करें, क्योंकि दानों में सबसे बड़ा दान मतदान होता है। उससे देश की दशा और दिशा तय होती है। इस अवसर पर महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे, मुख्य संरक्षक किशोर साहू, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह लल्लू एवं अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

झामुमो ने वोटरों का जताया आभार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को राज्य में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों को आशीर्वाद के लिए मतदाताओं का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में भी लोगों का झारखंडी अस्मिता की रक्षा के लिए कतारबद्ध होकर वोट करना यह साबित करता है कि हमारा लोकतंत्र कितना मजबूत है।

सुप्रियो ने कहा कि जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में समायोजित पूर्वी जमशेदपुर विधानसभा क्षेत्र में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास का मतदान करना हतप्रभ करता है। किसी भी राज्य का राज्यपाल उस राज्य का प्रथम नागरिक होता

मीडिया को जानकारी देते सुप्रियो भट्टाचार्य। ● फोटोन न्यूज

है और उनसे यह अपेक्षा होती है कि वह अपने राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते उस राज्य में मतदान करे ताकि मतदाताओं के लिए एक उत्साहवर्धक संदेश प्राप्त हो। इस मामले में झारखंड के प्रथम नागरिक राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का रांची में मतदान करना एक उदाहरण है।

सुप्रियो ने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग को भी यह संज्ञान लेना चाहिए कि वो कौन सी परिस्थिति हुई कि ओडिशा के राज्यपाल को गृह राज्य में आकर मतदान करना पड़ा। उनका यहां मतदान करना स्थानीय प्रशासन को प्रभावित करना एवं मतदाताओं को भ्रमित करने का एक निंदनिय प्रयास है, जो लोकतंत्र के संघीय ढांचे के लिए अशुभ है।

रांची में 100 साल की बुजुर्ग महिला ने भी किया मतदान

वोट देने के लिए मतदान केंद्र पहुंचीं 100 साल की महिला। ● फोटोन न्यूज

राज्यपाल ने किया मतदान, सभी से की वोट देने की अपील

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान राज्यपाल ने सेल्फी पॉइंट पर तस्वीर भी खिंचवाई। मौके पर राज्यपाल ने कहा कि सभी मतदताओं से मेरा आग्रह है कि वे भी अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने किया मतदान

RANCHI : रांची लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने अपने परिवार के साथ ओटीसी कैंपस में संत कोलंबस स्कूल में अपना वोट दिया। वोट देने के बाद बाहर निकलने पर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि इस बार रिकॉर्ड टूटेगा। उन्होंने कहा कि आम जनता मोदी की गारंटी को जानती और पहचानती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर में 370 हटाने, राम मंदिर बनवाने सहित कई अतुलनीय काम किए हैं। ऐसे में भाजपा रांची ही नहीं अधिकांश सीटों पर भारी मतों से जीतेगी। इससे पूर्व उन्होंने पहाड़ी मंदिर में सब परिवार पूजा अर्चना की।

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने सपरिवार किया मतदान

RANCHI : रांची लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने पिता सुबोधकांत सहाय और मां रेखा सहाय के साथ धुर्वा सेक्टर 3 स्थित एचईसी महिला समिति कैंपस स्थित मतदान केंद्र संख्या 307 पर मतदान किया। वोटिंग से पहले यशस्विनी सहाय ने धुर्वा स्थित हिनू शनि मंदिर और दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने डोरंडा के मतदान केंद्र पर सपरिवार किया मतदान

RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने शनिवार को राजकीय कृत मॉडल उच्च विद्यालय बीएमपी ग्राउंड डोरंडा के प्रधान केंद्र संख्या 372 पर मतदान किया। उनके साथ उनकी पत्नी एवं पुत्र भी मतदान करने पहुंचे थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मतदाताओं से सपरिवार मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करने की अपील की। इधर, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह ने नेहरू सांस्कृतिक केन्द्र, जवाहर नगर, कांके स्थित मतदान केन्द्र एवं अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने तहसील कचहरी, रातु रोड स्थित मतदान केंद्र पर मतदान किया। साथ ही सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की।

रांची के उपायुक्त ने किया मतदान

RANCHI : रांची के निवार्ची पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने पुंदाग स्थित ज्ञान सिंधु विद्या मंदिर के मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। पंक्ति में अपनी बारी का इंतजार करते हुए राहुल कुमार सिन्हा ने लोकतंत्र के महापर्व में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। मतदान केंद्र में प्रतिनियुक्ति मतदान कर्मियों का भी निवार्ची पदाधिकारी की ओर से हौसल अफजाई किया गया। उन्होंने रांची के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि शाम पांच बजे तक मतदान का समय है, बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और बेहतर वोट प्रतिशत के साथ कीर्तिमान स्थापित करें।

आईजी और डीआईजी ने किया मतदान

RANCHI : आईजी अभियान अमोल वी होमकर ने शनिवार को डिबडीह स्थित मतदान केंद्र में पत्नी के साथ मतदान किया। डीआईजी अनूप बिरथरे ने मोरहाबादी के चिरौंदी स्थित मतदान केंद्र में पत्नी के साथ मतदान किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने लोगों से मतदान करने की अपील की।

एसएसपी और उनकी पत्नी ने किया मतदान

RANCHI : रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और उनकी पत्नी कंचन सिंह ने शनिवार को मतदान किया। एसएसपी अपने परिवार के साथ सुबह बरियातू स्थित राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, (कमरा संख्या 6) पहुंचे और वोट दिया। मौके पर एसएसपी और उनकी पत्नी ने रांची वासियों से अपील किया कि प्रत्येक मतदाता अवश्य मतदान के लिए मतदान केंद्र पर आएं और राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि रांची लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदान केदो पर शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। सभी मतदान केदो पर सुरक्षा के कड़े और पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

झारखंड में आज से दिखेगा चक्रवाती तूफान का असर

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में रविवार को चक्रवाती तूफान 'रेमल' का असर देखने को मिलेगा। राज्य के कई स्थानों में रविवार से 31 मई तक गर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शनिवार को बताया कि 26 से 28 मई तक राज्य के उत्तर पूर्वी, दक्षिणी और मध्य भागों में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। इसका असर देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ जिलों में देखने को मिलेगा।इस दौरान गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात संभव है। इस दौरान हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है।

आनंद ने बताया कि राज्य के कई जिलों में 26 मई से आंधी के साथ वज्रपात होने की संभावना है। राज्य के पूर्वी भाग में 28 मई को कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात और तेज हवाएं चलेंगी। इस दौरान हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। वहीं, 28 से 31 मई तक राज्य के पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इसका असर गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार जिले में देखने को मिलेगा। कई जिलों में 31 मई तक बारिश होती रहेगी। हालांकि, अगले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। अगले दो से तीन दिनों में तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है।

सीआईडी ने एक महिला सहित तीन साइबर अपराधियों को किया अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक महिला सहित तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साइबर अपराधियों में महाराष्ट्र निवासी पाल प्रदीप मनीराम, पश्चिम बंगाल निवासी अजय कुमार और झारखंड की एक महिला शामिल है।

डीएसपी नेहा बाला ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में साइबर थाने में तीन मई को संजीव कुमार ने मामला दर्ज कराया गया था। दर्ज मामले में बताया गया था कि व्हाट्सएप के माध्यम से उनसे संपर्क किया गया। इसके बाद एक लिंक भेज कर पैसे को 10 गुना करने का लालच देकर 96.2 लाख रुपये साइबर अपराधियों ने अवैध हस्तांतरण करते हुए ठगी कर ली। व्हाट्सएप पर भेजे गए लिंक के माध्यम से निवेश करवाने के लिए संजीव कुमार को अलग-अलग बैंक खातों में पैसे डालने को बोला गया।

डीएसपी ने बताया कि मामले की जांच करते हुए सीआईडी ने वेबसाइट के टेक्निकल एनालिसिस को खंगाला। जांच के दौरान पता चला यह चाइना का है। वहीं ट्रांजेक्शन के आईपी का सर्वर जापान, हांगकांग और चाइना में पाया गया। जांच आगे बढ़ी तो इसके तार पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और झारखंड से जुड़े मिले। सीआईडी ने स्थानीय पुलिस की मदद से तीनों राज्य से एक-एक आरोपित को गिरफ्तार किया। उनके पास से 15 अलग-अलग बैंकों के खाते, छह मोबाइल, कॉरपोरेट खाता से लिंक्ड पांच सिम कार्ड, नौ चेकबुक, कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग क्रिडेंशियल्स और व्हाट्सएप चैट सहित कई चीजें जब्त की गई।

उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि अपराधियों ने आईसीआईसीआई के एक बैंक अकाउंट से 10 दिन में 4 करोड़ 67 लाख 3088 रुपये क्रेडिट किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल में इस बैंक खाते के विरुद्ध करीब 10 राज्यों की 13 शिकायतें दर्ज है।

भाजपा नेता आदित्य साहू बोले- 10 कमल फूल और एक केला ईवीएम में हुआ कैद

चारों सीटों पर एनडीए प्रत्याशी के जीतने का दावा

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने कहा कि देश में छठे और झारखंड में तीसरे चरण का मतदान शनिवार को संपन्न हो गया। राज्य में तीन चरणों के मतदान के बाद 10 कमल फूल और एक केला ईवीएम में कैद हो गया है। उन्होंने कहा कि इस चरण में चार लोकसभा सीटों के लिए मतदान हुआ। जनता के रुझान से स्पष्ट हो गया है कि इन चारों लोकसभा सीटों से एनडीए प्रत्याशी रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करेंगे।

आदित्य साहू शनिवार को हरमू रोड स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे

मीडिया को संबोधित करते आदित्य साहू व अन्य। ● फोटोन न्यूज

थे। उन्होंने कहा कि झारखंड की ठगबंधन सरकार ने जनता को धोखा दिया है। ठगने का काम किया है। साढ़े चार साल के कार्यकाल में ठगबंधन सरकार ने झारखंड को लूटने का काम किया है। विकास का काम अवरुद्ध करने का काम किया है। जनता इनसे त्रस्त हो चुकी है। इस ठगबंधन को जनता ने वोट के माध्यम से नकारने का काम किया है। चुनाव परिणाम आने पर यह स्पष्ट हो जाएगा।

साहू ने कहा कि चिलचिलाती धूप में मतदाता वोट डालने बूथ पर पहुंचे। कई वोटर वोट देने से वंचित रह गए। उनका नाम मतदाता सूची में नहीं था। इस बारे में चुनाव आयोग को चिंता करनी चाहिए। उन्हें ध्यान देना चाहिए कि कोई भी मतदान करने से वंचित नहीं रहे। इसमें सुधार करने की जरूरत है वरना आयोग के प्रति लोगों का विश्वास कम होगा। उन्होंने कहा कि कई सुरक्षा कर्मियों के नाम के आगे वोटर लिस्ट में पोस्टल बैलेट दर्ज था जबकि उन लोगों ने पोस्टल मतदान नहीं किया था। ऐसे मतदाताओं को मतदान से वंचित रहना पड़ा।

साहू ने कहा कि मतदाताओं ने मजबूत और विकसित भारत के लिए वोट दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आस्था और विश्वास जताया है। प्रधानमंत्री ने पिछले 10 साल में सभी वर्ग की चिंता की है। प्रत्येक दरवाजे पर विकास करके माध्यम से दस्तक दिया है। देश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। इससे प्रभावित होकर बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रधानमंत्री मोदी को पीएम बनने के लिए वोट किया है।

लोयोला स्कूल में मतदान के लिए लगी कतार। ● फोटोन न्यूज

जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में 66.79% मतदान, बहरागोड़ा में पड़े सबसे अधिक वोट

लोकतंत्र का महापर्व : चहुंओर उत्सव और उल्लास

टाटा स्टील समूह के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन व उनकी पत्नी रुचि नरेंद्रन

मतदान की स्याही दिखाते एसएसपी किशोर कौशल व सिटी एसपी मुकेश लुणायत

बिष्टुपुर स्थित केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज में परिवार के साथ सरयू राय

मतदान की स्याही दिखाते साहित्यकार गीता दुबे व उनके पति प्रमोद दुबे

चंद्रयान थीम पर बने जेएच तारापोर स्कूल के बूथ में मतदाता

मुखाग्नि देकर सपरिवार वोट देने आए हेसड़ा गांव के ग्राम प्रधान राम रंजन प्रधान

PHOTON NEWS JSR:

जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में शनिवार को मतदान का उत्साह देखते ही बन रहा था। सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्र के अलावा शहरी बूथों पर भी लंबी-लंबी कतार लगी रही। पूरे शहर में सुगह से शाम तक लोकतंत्र का उल्लास दिखा। बूथों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। कहीं कोई अफरातफरी देखने को नहीं मिली।

पारडीह के एक-दो बूथ पर ईवीएम चालू होने में अवश्य विलंब हुआ, लेकिन मतदाताओं ने धैर्यपूर्वक लगभग एक घंटे तक ईवीएम ठीक होने का इंतजार किया। इस बार शहर के लगभग हर बूथ पर शांति बनी रही।

पर्ची काटने के लिए एनडीए व इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता बूथ से 100 मीटर की दूरी पर अपने टेबल-कुर्सी व टेंट लगाए थे। इस बार अधिकतर लोगों को घर पर ही मतदाता पर्ची मिल गई थी, इसलिए वहां भी कोई आपाधापी नहीं दिखी। शहर के दुकान-प्रतिष्ठान भी बंद रहे। शराब की दुकानें भी लगभग 48 घंटे बाद शनिवार शाम 5 बजे के बाद खुलीं, तो बाजारों में भी शाम को रौनक लौटी। वैसे कई दुकानदारों ने शनिवार को कारोबार से छुट्टी ही ले ली थी।

जमशेदपुर लोकसभा में हुए तीन चुनाव के आंकड़े

वर्ष	2024	2019	2014
कुल मतदान (प्रतिशत)	66.79	67.19	66.38
विधानसभा वार			
बहरागोड़ा	77.24	78.19	75.56
घाटशिला	72.16	74.55	67.25
पोटका	73.12	72.14	69.47
जुगसलाई	69.25	69.57	70.31
जमशेदपुर पूर्वी	57.66	58.80	61.47
जमशेदपुर पश्चिम	57.10	55.95	57.98

इन प्रमुख लोगों ने किया मतदान

जमशेदपुर में सुबह-सुबह ही शहर के लगभग सभी दिग्गज वोट डाल चुके थे। इनमें टाटा स्टील समूह के ग्लोबल सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन ने अपनी पत्नी रुचि नरेंद्रन के साथ सुबह 7 बजे ही लोयोला स्कूल के बूथ संख्या 159 पर मतदान किया। लोयोला स्कूल में टाटा स्टील के तमाम उच्चाधिकारियों के अलावा पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल, वरीय आरक्षी अधीक्षक किशोर कौशल, सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत व उपविकास आयुक्त मनीष कुमार सहित जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों ने मतदान किया।

ओडिशा के राज्यपाल ने भालूबासा में डाला वोट

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने भालूबासा स्थित हरिजन मध्य विद्यालय में वोट डाला। यहां उनकी पत्नी रुक्मिणी दास, पुत्र ललित दास व पुत्रवधू पूर्णिमा दास ने भी मतदान किया। मंत्री बन्ना गुप्ता ने अपनी पत्नी सुधा गुप्ता के साथ कदमा स्थित डीबीएमएस हाईस्कूल, विधायक सरयू राय ने बिष्टुपुर स्थित केएमपीएम इंटर कॉलेज, कांग्रेस के ओडिशा प्रभारी व पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार ने शिक्षा निकेतन हाई स्कूल, टेल्को में मतदान किया।

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने सपरिवार भालूबासा स्थित हरिजन मध्य-उच्च विद्यालय मे मतदान किया। इस मौके पर उनकी पत्नी रुक्मिणी दास, पुत्र ललित दास व पुत्रवधू पूर्णिमा दास ने भी वोट डाले।

मतदान की स्याही दिखाते उपायुक्त अनन्य मित्तल व उपविकास आयुक्त मनीष कुमार

परिवार सहित मतदान की स्याही दिखाते स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता

निशान दिखाते पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार

साकची निवासी संतोष अग्रवाल ने परिवार के 22 सदस्यों के साथ किया मतदान

आईएसडब्ल्यूपी के एमडी अविजीत नैनोटी

पोटका के उदाल गांव में मतदान की स्याही दिखाते विधायक संजीव सरदार

हिंदूपीठ के अध्यक्ष अरुण सिंह व उनकी पत्नी

जदयू-युवा के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह

परिवार संग सुरेश सोंयालिया

परिवार संग भाजपा नेता दिनेश कुमार

आंध्रा एसोसिएशन कदमा के बूथ पर 90 वर्षीय डी बाबू राव को गुलाब देते मतदान कर्मी

आदिवासी जनकल्याण उच्च विद्यालय में मतदान के लिए कतार में लगीं महिलाएं

एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक झा

भाजपा नेता अनिल मोदी व उनकी पत्नी

मतदान करने के बाद हर्ष मुद्रा में बुजुर्ग महिलाएं

रांची लोकसभा के लिए ईचागढ़ में 77 फीसद मतदान

सरायकेला : रांची लोकसभा क्षेत्र के लिए शनिवार को मतदान हुआ, जिसमें सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 77.07 फीसद मतदान हुआ। यहां सुबह 9 बजे तक 15.34%, सुबह 11 बजे तक 35.16%, दोपहर 1 बजे तक 54.87% और दोपहर 3 बजे तक 68.56% मतदान हुआ था। ● फोटोन न्यूज

मानगो के एक बूथ में मतदान के लिए कतार में लगीं मुस्लिम महिलाएं

BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने किया मतदान

BHUBANESHWAR : मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भुवनेश्वर एरोड्राम प्राइमरी स्कूल के बूथ संख्या 114 में अपना वोट डाला। उन्होंने सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महान अवसर पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने खासकर युवा मतदाताओं से मतदान के लिए आगे आने का आह्वान किया है।

ट्रक की टक्कर से 6 माह की बच्ची की मौत, मां की हालत गंभीर

SUNDARGARH : राउरकेला-संबलपुर बीजू एक्सप्रेसवे करमडीही में शनिवार एक भीषण सड़क दुर्घटना में 6 महीने की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। सड़क पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी, इससे स्कूटी में मां की गोद में बैठी 6 माह की बच्ची की मौत हो गई। मृत बच्ची श्रेयांशी इतमा गांव का रहने वाली थी। हादसे के वजह से मां मुनि प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गईं। इतमा से मुनि अपनी नवजात बेटी श्रेयांसी और छोटी बहन के साथ स्कूटी से सुंदरगढ़ आ रहे थे। स्कूटी छोटी बहन चला रही थी। करमडीही के पास तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। मां की गोद से छिटककर गिरने से बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

नौ जून को किया जाएगा रज राजकुमारी का ऑडिशन

ROURKELA : गरिमा परिवार द्वारा आयोजित रज राजकुमारी सीजन 3 का ऑडिशन 9 जून को दिन 9 बजे राउरकेला क्लब में होगा, संस्थान द्वारा शनिवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी गई। गरिमा परिवार के मुख्य शंकर जेना, अध्यक्षा निहारिका बस्तिया, सभापति ममता नायक ने प्रमुख पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष गरिमा परिवार की रज राजकुमारी तीसरे वर्ष में प्रवेश कर गयी है। 9 जून को होने वाले ऑडिशन में 14 से 24 साल की लड़कियां भाग ले सकती हैं। रज राजकुमारी के लिए आयु सीमा 14 से 24 वर्ष, रज अलंकरण के लिए 15 वर्ष से अधिक, पोडो पीठा के लिए 20 वर्ष से अधिक तथा पुचिखेल के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसके लिए बीते 10 मई से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका ह। यह 7 जून तक जारी रहेगा।

वरिष्ठ वकील गौरी श्याम पटनायक के निधन पर शोक सभा आयोजित

ROURKELA : राउरकेला बार एसोसिएशन के एक वरिष्ठ सदस्य, वकील गौरीश्याम पटनायक का कल 67 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। राउरकेला बार एसोसिएशन के कई वरिष्ठ सदस्य आईजीएच पहुंचे। राउरकेला बार एसोसिएशन कार्यालय में शनिवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष सदानंद साहू की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित की गयी। इस शोक सभा में उपाध्यक्ष राज किशोर प्रधान, संपादक देवानंद तांती, संपादीका लाइब्रेरियन अंजना गहिर, अरिंदम दत्त, सरोज महापात्रा, अक्षय साहू, पवित्र जेना ने दिवंगत गौरीश्याम पटनायक की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की।

गिरिडीह में 66.72 प्रतिशत व धनबाद में 59.20 फीसद मतदाताओं ने किया अपने मत का प्रयोग

गर्मी बेअसर, झुमरा व ऊपरघाट में दिखा जोश, 6 किमी पैदल चलकर वोट देने आए लोग

PHOTON NEWS GIRIDIH : शनिवार को राज्य के चार सीटों रांची, जमशेदपुर, धनबाद और गिरिडीह में मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक हुई वोटिंग में कुल 61.41 फीसदी मतदान हुआ। गिरिडीह में सर्वाधिक 66.72 फीसदी मतदान हुआ। सूचना के अनुसार धनबाद में लगभग 59.20 प्रतिशत वोटिंग हुई।

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान को लेकर लोगों में उत्साह दिखा। झुमरा से लेकर ऊपरघाट तक के बूथों पर भीड़ देखी गयी। भीषण गर्मी के बीच लोग छाता लेकर मतदान करने के लिए कतार में लगे रहे। फर्स्ट टाइम वोटर्स में जबर्दस्त उत्साह था।

ड्यूटी पर तैनात थे पुलिसकर्मी

प्रशासन की ओर से बूथों को सजाने से एक अलग उत्साह का संचार हो रहा था। लगभग सभी बूथों पर बुजुर्गों की भीड़ थी। हर मतदान केंद्र पर तैनात पुलिसकर्मी अपने काम में मुस्तैद थे। बुजुर्ग मतदाताओं की मदद भी कर रहे थे। कुछ मतदाताओं को गोद में उठाकर ले जाते हुए भी पुलिसवालों को देखा गया।

गिरिडीह लोकसभा सीट पर सभी जगह मतदाताओं की भीड़

गिरिडीह, बेरमो, गोमिया, डुमरी, बाघमारा और टुंडी विधानसभा क्षेत्र में हर जगह मतदाताओं की भीड़ थी। सड़कें सुनसान थीं, पर बूथों पर भीड़ थी। कई जगह लोगों ने सपरिवार वोट कर बूथ के पास ही नास्ता भी किया। लगभग सभी बूथों पर विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों ने नास्ते की व्यवस्था की थी।

मतदान के लिए कतार में लगीं महिला वोटर। ● फोटोन न्यूज

ढुलू महतो ने बाघमारा के टुंडू में किया मतदान

धनबाद लोकसभा प्रत्याशी ढुलू महतो ने अपने बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के टुण्डू अतिथि गृह के बुथ पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने सभी मतदाताओं से शान्तिपूर्वक अपने मत का प्रयोग करने की अपील की।सलूजा स्टील के निदेशक डॉ अमरजीत सिंह सलूजा ने अपने पूरे परिवार के सदस्यों के साथ विज्ञान भवन में बूथ संख्या 35 में किया मतदान। पिंक बूथ संख्या 272 में महिला मतदाताओं को पौधा देकर उनका स्वागत किया गया। गोमिया के चुटे में अमन पहाड़ के अमन गांव के दर्जनों मतदाता 6 किलोमीटर की दूरी तय कर मतदान करने आये। झुमरा पहाड़ बूथ संख्या 44 में 44 प्रतिशत मतदान साढ़े 11 बजे तक पड़ चुका था। नक्सल प्रभावित क्षेत्र टुंडी के जातांखूंटी में भारी गर्मी और कड़ी धूप के बावजूद मतदाता छाता लेकर मतदान के लिए लाइन में लगे रहे। पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी ने मकतपुर के बूथ नंबर 60 पर वोट किया। बेरमो में अनुपमा सिंह ने अपने पति अनूप सिंह के साथ वोट किया।

तीखी धूप में भी धनबाद में दिखी वोटरों की लंबी कतार

DHANBAD : धनबाद लोकसभा क्षेत्र में सुबह सात बजे से शुरू मतदान में वोटरों में गजब का उत्साह दिखा। यहां शाम पांच बजे तक धनबाद में 59.20 प्रतिशत मतदान हुआ। स+बह से ही तेज धूप थी, जो समय बढ़ने के साथ और तीखी होती गयी। लोग मतदान केंद्रों पर वोट देने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। लगभग सभी बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय फतुडीह के बूथ संख्या 175 में सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ। यहां कुल 1057 मतदाता है। इसमें आठ बजे तक 114 व नौ बजे तक 142 मतदाताओं ने अपना वोट डाल चुके हैं। वहीं मतदान के लिए सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतार लगी हुई है। राजकीय उमवि बरकामा के बूथ संख्या 208 में ससमय मतदान शुरू है। यहां कुल 1,296 मतदाता हैं। धनबाद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस बूथ पर 627 पुरुष व 569 महिला वोटर शामिल हैं। सुबह आठ बजे तक 115 व साढ़े नौ बजे तक 214 मतदाता अपना वोट डाला। वहीं प्राथमिक विद्यालय तियारा के बूथ संख्या 38 में साढ़े आठ बजे तक 146 व 10 बजे तक 220 मतदाता अपने वोट डाला। गोविंदपुर प्रखंड के करमाटाड़ बूथ संख्या 130 ,131 एवं 132 के दो सौ से अधिक मतदाताओं का नाम इस बार मतदाता सूची में नहीं है। मतदाता जब पहचान पत्र को लेकर मतदान केंद्र वोट डालने पहुंचे, तो पीठासीन पदाधिकारी ने ऐसे लोगों को मतदान करने से रोक दिया। पीठासीन पदाधिकारी ने बताया कि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं, डिलीट सूची में है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने शनिवार को मध्य विद्यालय, झारुडीह में अपने मत का प्रयोग किया। अपने मत के प्रयोग करने के बाद उपायुक्त ने धनबाद जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि घर से निकल कर मतदान केंद्रों में जाएं एवं अपने मत का प्रयोग करें। सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में आप सभी की भूमिका काफी अहम है, हर एक वोट कीमती है। इसलिए सभी से आग्रह है कि सभी अपने-अपने मतों का प्रयोग आज शाम 5 बजे तक अवश्य करें।

कड़ी धूप के बीच मतदान के लिए कतार में खड़ीं महिला मतदाता। ● फोटोन न्यूज

डेढ़ साल पहले तोरपा से चोरी हुआ वाहन बड़कागांव से बरामद

PHOTON NEWS KHUNTI : तोरपा थाना क्षेत्र के खसुआ टोली से डेढ़ साल पहले चोरी गये हाइवा ट्रक को पुलिस ने शुक्रवार को हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र से बरामद कर लिया। इस संबंध में तोरपा के एसडीपीओ खिस्टोफर केर-केट्टा ने बताया कि सरस्वती पूजा के दिन 28 जनवरी, 2023 को तोरपा के श्रवण कुमार साहू का हाइवा ट्रक (जेएच 01 डीएल 9829) की चोरी हो गया था। उन्होंने बताया कि चोरी गए हाइवा का नंबर बदलकर इसका रजिस्ट्रेशन नागालैंड से कराया गया। वहां से एनओसी लेने के बाद हाइवा का हजारीबाग में फर्जी रजिस्ट्रेशन (जेएच 02 4523) कराकर वहीं एक व्यक्ति को बेच दिया गया।

चोरी गये हाइवा मलिक श्रवण साहू के मुताबिक दो दिन पूर्व तोरपा का चालक राजू साहू अंडा लदा वाहन लेकर कोडरमा गया था। वहां से लौटने के दौरान उसकी नजर चोरी गए हाइवा पर पड़ी लेकिन उसका रजिस्ट्रेशन नंबर अलग था जबकि अन्य किसी तरह का बदलाव वाहन में नहीं किया गया था।

बरामद वाहन।

गर्मी की छुट्टी में घर आई आठवीं की छात्रा ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के वृंदावन के त्रिलटोला गांव में 14 वर्षीया नाबालिग ने बीती रात साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि मृतका आठवीं की छात्रा थी। गर्मी की छुट्टी में वह घर आयी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। पुलिस ने यूडी केस दर्ज कर लिया है।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि नाबालिग बीते शुक्रवार की संध्या लगभग चार बजे से घर में नहीं थी। परिजनों को लगा कि कहीं गयी है। वह रात तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने घर के आस-पास पता किया, लेकिन शनिवार की सुबह 9 बजे लड़की का भाई मताल कर्मकार कुछ सामान लाने के लिए अपने बड़े पापा के घर की तरफ गया तो देखा कि उसकी बहन सामान रखने वाले बिना दरवाजे के कमरे में मृत पड़ी है। उसके पास ही छप्पर से साड़ी का फंदा बंधा हुआ है।

घटना के बाद विलाप करते परिजन। ● फोटोन न्यूज

धनबाद में 105 वर्ष की बुजुर्ग महिला ने डाला अपना वोट

PHOTON NEWS DHANBAD : लोकसभा चुनाव के छठे चरण के मतदान में धनबाद स्थित गुरुनानक मध्य विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर 105 वर्ष की एक बुजुर्ग महिला ने मतदान किया। वह प्लास्टिक के एक टेबल के सहारे बूथ पर पहुंची।

वयोवृद्ध मबिवा सुमित्रा देवी शारीरिक रूप से लाचार और अकेले चलने में असमर्थ होने के बावजूद उनका मतदान के प्रति उत्साह देख लोग आश्चर्य चकित रह गए। उनके पुत्र सुजीत कुमार ने कहा कि उसकी मां शुरू से ही मतदान के प्रति जागरूक और उत्साहित रहती हैं। आज सुबह से ही वह मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने को लेकर काफी उत्साहित थी। मतदान के प्रति इनके उत्साह को देख हमारे घर और आसपास के लोगों को भी काफी प्रेरणा मिलती है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा पीएलएफआई का कुख्यात उग्रवादी संजय टोपनो

लोडेड रिवाल्वर, कारतूस और संगठन का पर्चा बरामद

PHOTON NEWS KHUNTI : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के सक्रिय और विभिन्न मामलों में वांछित उग्रवादी संजय टोपनो उर्फ संजू टोपनो उर्फ सनातन टोपनो उर्फ मोटा (38) को पुलिस ने शुक्रवार की शाम को जरियागढ़ थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने एक लोडेड रिवाल्वर, चार जिंदा कारतूस, पीएलएफआई संगठन का पर्चा और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खिस्टोफर केरकेट्टा ने शनिवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसडीपीओ ने बताया कि एसपी अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ उग्रवादी जरियागढ़ थाना क्षेत्र में लेवी वसूलने के लिए भ्रमणशील हैं। सूचना पर तोरपा के एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा शुक्रवार की शाम गश्ती के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम संजय टोपनो उर्फ संजू टोपनो ग्राम सिमटिमडा थाना जरियागढ़ बताया।

गिरफ्तार उग्रवादी व जानकारी देती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

पुराना आपराधिक इतिहास रहा है संजय टोपनो का

एसडीपीओ ने बताया कि संजय टोपनो का काफी लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। पहले वह पश्चिमी सिंहभूम के टेबो और बंदगांव इलाके में संगठन का एरिया कमांडर था। 2016 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, लेकिन जेल से बाहर निकलते ही वह संगठन में फिर सक्रिय हो गया। फिलहाल वह तुपुदाना, नामकुम इलाके में रहकर संगठन के लिए लेवी वसूलने और संगठन का विस्तार करने में लगा था।

कोडरमा घाटी में तीन वाहनों के बीच हुई टक्कर बाल-बाल बचे लोग

KODERMA : जिले के कोडरमा थाना अंतर्गत कोडरमा घाटी में शनिवार की सुबह तीन वाहनों में टक्कर हो गई। ट्रक, टेलर और बस के बीच हुई इस दुर्घटना में चालक और बस पर सवार लोग बाल बल बच गए। जानकारी के अनुसार कोडरमा घाटी के नौवां माइल के पास पहले से एक ब्रेक डाउन ट्रक सड़क पर खड़ी थी। इसी दौरान कोडरमा की तरफ से आ रही ट्रेलर वाहन ने पीछे से ब्रेक डाउन ट्रक में टक्कर मार दिया। इसके बाद ट्रेलर के पीछे चल रही बस की टक्कर ट्रेलर से हो गई। बस कोलकाता से बिहार जा रही थी। इसकी सूचना कोडरमा पुलिस को मिलने के बाद पुलिस पहुंच कर रोड से सभी गाड़ी को क्रेन की मदद से किनारे कराया गया और यातायात को सामान्य किया गया।

दुकान में चोरी करने आए तीन चोर आग में झुलसे, एक की मौत, दो गंभीर

PHOTON NEWS LATEHAR : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत पकरी गांव में शुक्रवार की रात भीषण घटना घटी। यहां एक दुकान में चोरी करने गए तीन चोर आग में झुलस गए। इसमें एक चोर की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी तीनों चोर नाबालिक थे।

जानकारी के अनुसार पकरी गांव निवासी बालकेश्वर साव के दुकान में शुक्रवार की देर रात तीन नाबालिक चोर चोरी करने गए थे। दुकान का ताला तोड़ कर तीनों चोर दुकान में घुसे और मोमबत्ती जलाकर नगद पैसे तथा अन्य कीमती सामान ढूंढने लगे। इसी दौरान अचानक एक चोर के पैर में ठोकर लग गई, जिससे हाथ का मोमबत्ती छूकर पास में रखे गए पेट्रोल के गैलन पर जा गिरा। पेट्रोल का गैलन जैसे ही आग के संपर्क में आया ,वैसे ही अचानक भयंकर आग लग गई। इस घटना में तीनों बुरी तरह आग में झुलस गए। एक चोर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर आग लगने की घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंच गए और मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची और मृतक चोर के शव को कब्जे में ले लिया। वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया।

इधर इस संबंध में बालूमाथ डीएसपी आशुतोष सत्यम ने शनिवार को बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया गया है।

घायलों को अस्पताल ले जाती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

लोक अदालत में समझौते से हुए समाधान पर आम लोगों का बढ़ता है विश्वास : पीडीजे

PHOTON NEWS LOHARDAGA : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरविंद कुमार पांडेय ने आज रेफरल जजेज एवं मीडिएटर को लेकर हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यस्थों को संबोधित करते हुए कहा कि समझौते से हुए विवाद समाधान से व्यवस्था पर आमजनों का विश्वास बढ़ता है। जो वकील यह सोचते हैं कि समझौते से समाधान के पश्चात उनके केस खत्म हो जाता है, उन्हें यह जानना चाहिए कि समझौते के पश्चात त्वरित न्याय मिलने के कारण आमजनो का विश्वास बढ़ता है।

मध्यस्थता के मूल नियमों को व्याख्यापित करते हुए पीडीजे अरविंद कुमार पांडेय ने कहा कि मध्यस्थ को धैर्य से काम लेना चाहिए। दोनों पार्टियों को अलग-अलग एवं समन्वित रूप से सुनना चाहिए, तभी निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए। उन्होंने सिविल कोर्ट परिसर स्थित डालसा सभागार में उपस्थित मध्यस्थ, पैनल अधिवक्ताओं, एवं पीएलवी को संबोधित करते हुए कहा कि मोटर वाहन से बढ़ते दुर्घटना को लेकर सचेत होने की आवश्यकता है।

इससे पूर्व प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार तिवारी ने मोटर एक्सीडेंट के मामले में मृतक के आश्रित को दिए जाने वाले मुआवजा की गणना कैसे की जाती है उसे विस्तृत रूप से बताया। डालसा सचिव राजेश कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में मुआवजा पाने के लिए एसडीएम के यहां आवेदन देना होता है। उन्होंने डालसा के कार्यों का विवरण पीडीजे के समक्ष रखा।

कार्यक्रम में उपस्थित डालसा अध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय व अन्य। ● फोटोन न्यूज

डालसा सभागार भवन में मध्यस्थता विषय पर विशेष कानूनी जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

वादों के निष्पादन में मध्यस्थ की भूमिका महत्वपूर्ण

लोक अदालत में उपस्थित प्रधान जिला जज व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार और झालसा रांची के निर्देश पर शनिवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष ऋषिकेश कुमार की अध्यक्षता में डालसा सभागार भवन में सभी न्यायिक पदाधिकारी और मेडिएटर के लिए मध्यस्थता विषय पर विशेष कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेस कुमार ने कहा कि वादों का तेजी से निष्पादन में मध्यस्था की भूमिका है। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने कहा कि लोक आदलत सभी सुलहनीय और दीवानी मामलो को मध्यस्थता के माध्यम से सुलहकर कराती है। कार्यक्रम में जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला जज द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, डालसा सचिव राजर्षि अपर्णा कुजूर, एसडीजेएम विद्यावती कुमारी और डालसा के कर्मचारी उपस्थित थे।

मासिक लोक अदालत में चार मामलों का निष्पादन, आठ लाख रुपये का सेटलमेंट

KHUNTI : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेस कुमार की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय खूंटी में शनिवार को आयोजित मासिक लोक अदालत में चार मामलों का निष्पादन किया गया और आठ लाख 95 हजार रुपये का सेटलमेंट किया गया। इस संबंध में डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में विभिन्न मामलों का निष्पादन के लिए चार बैंचों का गठन न्यायालय में लंबित मामलों तथा प्री लिटिगेशन से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए किया गया। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले, एनआइ एक्ट के मामले, बिजली संबंधित मामले प्रस्तुत किए गए। लोक अदालत में चार मामलों का निष्पादन किया गया और आठ लाख आठ हजार पंचानबे रुपये का सेटलमेंट किया गया। लोक अदालत में प्रथम बेंच, जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा, पैनल अधिवक्ता राजेश कुमार एवं मिलन कुमार दास, द्वितीय बेंच में मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, पैनल अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक एवं कविता कुमारी, तृतीय बेंच में एसडीजेएम विद्यावती कुमारी, पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार एवं सुमित कुमार कश्यप, चतुर्थ बेंच में स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह एवं सदस्य मधु चंदा रजक, पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी उपस्थित थे।

चारधाम यात्रा और आधे-अधूरे इंतजाम

डॉ. अनिल कुमार निगम

आप जब भी इस धार्मिक यात्रा पर जाएं तो कुछ और बातों का ध्यान रखें। चारों धाम हिमालयी क्षेत्र में स्थित हैं, ऑक्सीजन लेबल भी कम होता है, इसलिए स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही कदम बढ़ाएं। यात्रा के दौरान जरूरी जीवन रक्षक दवाइयां साथ लेकर जाएं। जुकाम, बुखार, सिरदर्द आदि की दवाइयां साथ में रखें। यात्रा मार्ग में खानपान का खास ध्यान रखें। ताजे भोजन का सेवन करें। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में मौसम प्रायः बदल जाता है। इसलिए ऊनी वस्त्र, कंबल, वाटरप्रूफ बिस्तर, बरसाती, छाता, टार्च आदि अवश्य साथ में रखें।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा कुप्रबंधन का शिकार हो गई है। स्थिति अत्यंत खराब होने लगी तो प्रशासन ने पहले यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण और अब ऑनलाइन पंजीकरण भी बंद कर दिया है। तीर्थयात्रियों की इस यात्रा के दौरान मौतें होने की खबरें अत्यंत पीड़ादायक हैं। चारधाम यात्रा के लिए इन दिनों भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है और इस कारण से यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को भारी अव्यवस्था का भी सामना करना पड़ रहा है। सवाल यह है कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार होने के बावजूद चारधाम यात्रा के लिए शासन और प्रशासन ने पूर्व में समुचित तैयारी क्यों नहीं की? ऐसा क्यों हुआ? सरकार और प्रशासन से क्या और कहां चूक हुई? दर्शन के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण को पहले ही नियंत्रित क्यों नहीं किया गया?

आज वहां जाम में जिस तरीके से लोग फंसने लगे हैं। हैरान व परेशान लोगों की जो तस्वीरें आ रही हैं, वे सचमुच डराने वाली हैं। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में यातायात व्यवस्था कुछ हद तक तो पटरी पर लौटी है। फिर भी उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम (105 किलोमीटर) तक पहुंचने में तीर्थयात्रियों को सात घंटे लग रहे हैं। यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने धारा 144 के तहत आदेश जारी किए थे। घोड़ा-खच्चर व पालकी की संख्या निश्चित समय अंतराल के लिए तय की गई है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बद्रीनाथ धाम को सृष्टि का आठवां वैकुंठ भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि यहां भगवान विष्णु छह महीने विश्राम करने के लिए आते हैं। साथ ही केदारनाथ धाम में भगवान शंकर विश्राम करते हैं। बद्रीनाथ में दो पर्वत हैं, जिन्हें नर और नारायण नाम से जाना जाता है। वह भगवान विष्णु के 24 अवतारों में से हैं। माना यह भी जाता है कि केदारनाथ धाम के दर्शन के बाद ही बद्रीनाथ धाम के दर्शन से ही पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

शास्त्रों में बताया गया है कि चारधाम यात्रा करने से व्यक्ति को जीवन और मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त हो जाती है।

ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति एक बार भी बद्रीनाथ के दर्शन करता है, उसे उदर यानि गर्भ में नहीं जाना पड़ता है। शिव पुराण में बताया गया है कि केदारनाथ ज्योतिर्लिंग का पूजन करने के बाद जो व्यक्ति जल ग्रहण कर लेता है, उसे दोबारा जन्म नहीं लेना पड़ता है।

निस्संदेह, धार्मिक पर्यटन उत्तराखंड प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा संबल प्रदान करता है। बावजूद इसके इस पक्ष की अनदेखी की गई। सवाल यह है कि चारधाम यात्रा में अव्यवस्था क्यों हुई ? चारधाम यानी यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जी की यात्रा शुरू होने के बाद इस बार पिछले वर्ष की तुलना में संख्या इतनी अधिक हो गई जिसके लिए प्रशासन तैयार ही नहीं था। चारधाम यात्रा के दौरान भारी भीड़ के सामने प्रशासन भी लाचार हो गया है। ऋषिकेश में सभी होटल बुक हैं और यात्रियों को रात गुजारने के लिए भी जगह नहीं मिल रही है। प्रशासन ने ऋषिकेश में ठहरे तीर्थयात्रियों के लिए ट्रांजिट कैंप में हैंगर व टेंट के अलावा धर्मशालाओं, स्कूलों तथा वेडिंग प्वाइंट में ठहरने की व्यवस्था की है। यहीं पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन की भी व्यवस्था की जा रही है।

चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ कोई अचानक उमड़ी हो, ऐसी बात भी नहीं है। पिछले साल के मुकाबले तुलना करें तो इस यात्रा के पहले दो दिन में ही चालीस फीसदी से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम यात्रा के लिए आए। अनेक यात्री अभी भी बिना पंजीकरण के वहां पहुंच रहे हैं। जाहिर है कि भीड़ प्रबंधन को लेकर जो तैयारी होनी चाहिए थी, वह समुचित रूप से नहीं की गई। असल में इस पर खास ध्यान ही नहीं दिया गया कि चारधाम यात्रा के लिए जाने के इच्छुक श्रद्धालु जिस तरह से पंजीकरण करा रहे हैं। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित किया जाना चाहिए, पर ऐसा नहीं किया गया।

ऐसा लगता है कि इस बार पिछले सालों का रिकॉर्ड टूट सकता है। लेकिन यह भी सच है कि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में सड़कों, गांव-कस्बों की अपनी क्षमताएं हैं। अगर क्षमता से अधिक लोग वहां पहुंच रहे हैं, तो इस समस्या पर न केवल ध्यान देना चाहिए बल्कि इसकी एडवांस प्लानिंग करनी चाहिए थी। निजी साधनों से जाने वाले यात्रियों के कारण वहां पर वाहनों की रेलमपेल बढ़ती है। सरकारी स्तर पर सार्वजनिक परिवहन का पुख्ता प्रबंध नहीं किया गया। यात्रा मार्गों को समय पर दुरुस्त नहीं करना भी प्रशासन की बड़ी नाकामी है। सड़कों पर ही वाहनों की बेतरतीब पार्किंग भी संकट बढ़ाने वाली है।

हालांकि धामों में अभूतपूर्व संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी वहां की स्थिति को स्वयं मॉनीटर कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपने सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम और मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को उत्तरकाशी में कैंप करने तथा गंगोत्री और यमुनोत्री में यात्रा इंतजामों की लगातार निगरानी करने को कहा है। अगर आप चारधाम की यात्रा पर जा रहे हैं अथवा उसकी योजना बना रहे हैं तो सर्वप्रथम आपको सलाह है कि फिलहाल इस योजना को टाल दें। वहां पर अभी काफी अफरातफरी का माहौल है, इसलिए स्थिति सामान्य होने तक आप इंतजार करें। चारधाम यात्रा चूंकि अक्टूबर तक चलती है, इसलिए कुछ समय बाद आप वहां जाएं।

आप जब भी इस धार्मिक यात्रा पर जाएं तो कुछ और बातों का ध्यान रखें। चारों धाम हिमालयी क्षेत्र में स्थित हैं, ऑक्सीजन लेबल भी कम होता है, इसलिए स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही कदम बढ़ाएं। यात्रा के दौरान जरूरी जीवन रक्षक दवाइयां साथ लेकर जाएं। जुकाम, बुखार, सिरदर्द आदि की दवाइयां साथ में रखें। यात्रा मार्ग में खानपान का खास ध्यान रखें। ताजे भोजन का सेवन करें। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में मौसम प्रायः बदल जाता है। इसलिए ऊनी वस्त्र, कंबल, वाटरप्रूफ बिस्तर, बरसाती, छाता, टार्च आदि अवश्य साथ में रखें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

प्रज्जवल रेवन्ना को कड़ी चेतावनी

पूर्व प्रधानमंत्री व जनता दल (सेकुलर) के संरक्षक एचडी देवगौड़ा ने अपने पोते व दल क निलंबित सांसद प्रज्जवल रेवन्ना को कड़ी चेतावनी दी है। सेक्स स्कैंडल के आरोपी पोते से उन्होंने देश वापस आने और जांच का सामना करने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि इस मामले में उनके या परिवार के किसी सदस्य की तरफ से किसी तरह की दखलंदाजी नहीं करेगा। प्रज्जवल पर यौन शोषण के कई आरोप हैं, जिनके कारण वह अप्रैल के अंत में कथित रूप से जर्मनी भाग गया था। देवगौड़ा ने स्पष्ट रूप से यह भी कहा कि अगर वह दोषी पाया जाता है तो उसे सख्त से सख्त सजा दी जाए। उन्होंने कहा, मैं अनुरोध नहीं कर रहा हूं बल्कि चेतावनी दे रहा हूं। देश के तीसरे सबसे कम उम्र के सांसद होने का रुतबा प्राप्त प्रज्जवल ने 2019 में अपने दादा की हार से दुखी होकर उनके लिए इस्तीफा देने का ऐलान किया था। आज वही दादा प्रज्जवल के कारनामों से दुखी होकर चेतावनी देने को मजबूर हो गए। आहत देवेगौड़ा ने कहा कि इस तकलीफ व झटके से बाहर आने में काफी वक्त लगा। साथ इन गतिविधियों के विषय में ना मालूम होने की बात करते हुए उन्होंने बचाव की इच्छा न होने की बात भी की। उधर कर्नाटक सरकार ने विदेश मंत्रालय से रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की भी गुजारिश की है। जैसा कि रेवन्ना अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के कुछ ही घंटों पहले उनके अश्लील वीडियो वायरल होते ही, देश छोड़ कर भाग गए थे। देश में आम चुनाव हो रहे हैं और रेवन्ना एनडीए के हासन से उम्मीदवार हैं। इसलिए विपक्ष द्वारा लगातार निशाना बनाया जा रहा है। निःसंदेह देवगौड़ा की चेतावनी से समझा जा सकता है कि उन पर चौतरफा दबाव पड़ रहा होगा। सिलसिलेवार यौन शोषणों के आरोपों से पीढ़ियों की राजनीतिक विरासत को धूमिल करने वाले पोते के प्रति देवगौड़ा का क्षोभ समझा जा सकता है। वे देश के प्रधानमंत्री जैसे सम्मानित पद पर रहे हैं, उन्हें अहसास होगा कि इससे न सिर्फ उनके दल की बल्कि देश की छवि भी धूमिल हो रही है। सांसदों के चरित्र पर पहले भी कीचड़ उछलता रहा है। मगर इस मामले में पीड़ितों ने सामने आकर दोषी का नमा लेने जैसा दुष्साहस किया है। जांच में यह सही पाया जाता है तो जैसा कि देवगौड़ा ने कहा, आरोपी को कड़ी सजा देकर उदाहरण निश्चित करना होगा ताकि भविष्य में सार्वजनिक जीवन में रहने वाले ऐसे अपराधी न साबित हों।

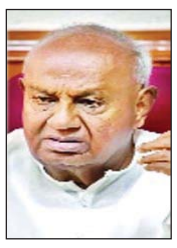

चिंतन-मनन

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अर्वंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ।

उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आर्वंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अर्वंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अर्वंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया।

शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अर्वंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आर्वंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

कितना जरुरी है जलवायु संकट का निदान

डॉ हिदायत अहमद खान

मानव जीवन के लिए जिस प्रकार से पंच तत्वों का उचित संयोजन आवश्यक होता है, ठीक उसी प्रकार से पृथ्वी के अस्तित्व के लिए तीन प्रमुख कारकों के संयोजन की महति आवश्यकता होती है। हमारे पृथ्वी ग्रह पर जीवन तीन कारकों के संयोजन से ही अस्तित्व में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है सूर्य से हमारी पृथ्वी की निश्चित दूरी, इसके बाद हमारे वायुमंडल की रासायनिक संरचना और अंत में जल चक्र की सुनिश्चित उपस्थिति आती है। इन तीन कारकों में से किसी भी एक कारक के न रहने या अधिकाधिक होने पर पृथ्वी पर मौजूद जीवन खतरे में पड़ सकता है। दरअसल ये तीनों कारक मिलकर हमारे ग्रह में एक ऐसी जलवायु के होने को सुनिश्चित करते हैं जो जीवन को बनाए रखने में सहायक सिद्ध होते हैं। इसके लिए वैज्ञानिक व शोध कताओं की मानें तो हमारी पृथ्वी पर ऐसी जलवायु होनी चाहिए जो प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के कारण जीवन को बनाए रखने में उपयुक्त साबित हो । सामान्यतः देखा जाता है कि जब सूर्य की किरणें पृथ्वी की सतह पर आती हैं, तो उनका अवशोषण महज आंशिक होता है, जबकि अधिकांश किरणें तो बाहर की ओर ही परावर्तित हो जाती हैं। ऐसे में यदि वायुमंडल उपस्थित न हो तो वो अंतरिक्ष में बिखर जाएंगी। ये किरणें बिखरने की बजाय, वायुमंडल में मौजूद गैसों में फंस कर वापस पृथ्वी की ओर आती हैं। इनके प्रभाव के कारण ही इन्हें ग्रीनहाउस गैंसें कहा गया है। यह एकत्रित ऊष्मा सीधे सूर्य की किरणों से अवशोषित ऊष्मा में मिलती हैं। यहां यह बतलाना आवश्यक हो जाता है कि प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के बिना, ग्रह पर औसत तापमान जो वर्तमान में करीब 15त्सें के वर्तमान औसत के बजाय -18त्सें के आसपास हो जाएगा। यह किसी के भी जीवन को नष्ट करने के लिए काफी होगा। इसलिए लंबे समय से विश्व के लिए जलवायु परिवर्तन संकट चिंता का विषय बना हुआ है।

सवाल यह है कि आखिर जलवायु परिवर्तन पृथ्वी में मानव जीवन के लिए चिंता का विषय क्यों बना हुआ है? ऐसा क्या कारण है जो हमारे जीवन के जोखिमों को बढ़ाने का काम कर रहा है और इसके निदान के लिए हमें प्रतिबद्ध करता है? यहां विचारणीय यह भी है कि जलवायु परिवर्तन कोई आज की घटना तो है नहीं, बल्कि पृथ्वी के अस्तित्व के इतिहास के साथ ही जलवायु परिवर्तन मौजूद नजर आता है। फिर आज इसे लेकर चिंता क्यों जताई जा रही है? असल में पिछले डेढ़ सौ साल में ग्लोबल वार्मिंग ने अपनी उपस्थिति जिस स्तर पर दर्ज कराई है, वह असामान्य घटना है। इसके लिए प्रकृति दोषी नहीं है, बल्कि यह तो मानव गतिविधियों का परिणाम है, जिसे लेकर दुनियां में हाय-तौबा की स्थिति निर्मित हुई है। विशेषज्ञों ने इसे ही मानवजनित ग्रीनहाउस प्रभाव करार दिया है, जो कि प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के अतिरिक्त है। इसके लिए औद्योगिक क्रांति को प्रमुख कारण माना जा सकता है, जिस कारण वायुमंडल में लाखों मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को छोड़ा जा रहा है। एक शोध के अनुसार मानव जनित ग्रीनहाउस गैसों के कारण वायुमंडल में मौजूद सीओ2 की मात्रा पिछले 700 हजार वर्षों के न्यूनतम स्तर (410-415 भाग प्रति) की तुलना में दोगुनी हो गई है। एक तरफ औद्योगिक क्रांति तो दूसरी तरफ आधुनिक मानव जीवन शैली में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों ने भी इसमें इजाफा ही किया है। इसके अलावा जीवाश्म ईंधन जलाने और वर्षावनों को बहुतायत में नष्ट किए जाने जैसी मानवीय भूलों से जलवायु और पृथ्वी के तापमान पर प्रभाव बुरी तरह पड़ा है। इससे ग्रीनहाउस प्रभाव और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इसमें बढ़ोत्तरी करने के लिए कोयला, तेल और गैस की खपत को प्रमुख माना गया है, दरअसल ये ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रतिनिधित्व करने वाले कारकों में शामिल हैं। इसलिए बराबर सलाह दी जाती रही है कि वर्षा वनों की कटाई को रोका जाए और उनके क्षेत्रफल को बढ़ाया जाए। जिन संसाधनों में कोयला, लकड़ी, तेल और गैस का उपयोग ज्यादा होता हो, उन्हें नियंतत्रित किया जाए, ताकि जलवायु संकट को समय रहते रोका जा सके।

पृथ्वी को जलवायु संकट से बचाना उतना ही जरुरी है जितना कि खुद के जीवन को बचाना। मानव जीवन के फलसफे को मशहूर शायर पंडित ब्रज नारायण चकबस्त ने महज एक शेर में समझाते हुए कहा, ज़िन्दगी क्या है अनासिर में जुहूर-ए-तरतीब, मौत क्या है इन्हीं अज्जा का परीशां होना। अर्थात जीवन पांच तत्वों का सिलसिलेबार मिलन है, जबकि मृत्यु इन तत्वों के बिखर जाने का नाम है। बात साफ है कि जिन तत्वों से जीवन है, उन्हें सहेजना और उनकी मौजूदगी को उनकी प्रकृति अनुसार बनाए रखना भी हम मानव जाति की ही जिम्मेदारी है। इसके लिए जरुरी हो जाता है कि पृथ्वी को सीमेंट और कंक्रीट के जंगलों में तब्दील करने की बजाय प्रकृति प्रदत्त हरियाली से आच्छादित करें। अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और जिससे ऊष्मा विसर्जित होती हो उन साधनों का कम से कम उपयोग करें। उद्योग और कल कारखाने जरुरी हैं, लेकिन इतने भी नहीं कि हम खुद अपनी धरती के लिए मौत का फरमान लिख दें। हमारी जीवन शैली भौतिक सुखों से परिपूर्ण हो, इसमें कोई गुरेज नहीं, लेकिन इतनी भी न हो कि हम खुद अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए मुसीबतें खड़ी कर दें। अंततः यह वक्त चिंता जाहिर करने और समाधान तलाशने से आगे बढ़कर पृथ्वी को बचाने की खातिर बहुत कुछ करने का है। पृथ्वी में उसकी अपनी हरियाली, जल और वायुमंडल उचित मात्रा में बना रहे, इस दिशा में आगे बढ़ें, ताकि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हो रहे संकट से उबरा जा सके।

नतीजों से पहले नए यादवत्व की स्थापना

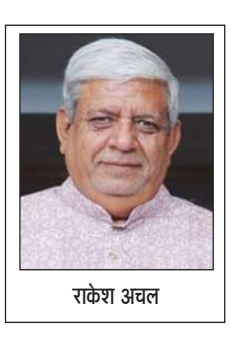

राकेश अचल

देश में 4 जून को आने वाले लोकसभा चुनाव परिणामों से पहले सत्तारूढ़ दल में नए प्रयोग तेजी से चल रहे है । सत्तारूढ़ दल हाल ही में संघ से छोड़-छुट्टी का ऐलान कर ही चुका है और अब लगता है कि भाजपा ने पार्टी की सरकारों में सबसे ज्यादा लोकप्रिय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकल्प के तौर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को नए यादव नेता के रूप में स्थापित करने की मुहिम शुरू कर दी है। भाजपा और उसके नेतृत्व वाला गठबंधन चाहे सरकार बना पाए या न बना पाए लेकिन अब उसे योगी जी किसी भी सूरत में बर्दाश्त होने वाले नहीं है।

पिछले दो महीने की गतिविधियों की समीक्षा के बाद ये तथ्य सामने आया है कि मोशा की जोड़ी 4 जून के बाद यदि सबसे पहले किसी के आभामंडल को कम करेगी तो वो होंगे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। योगी जी ने अपने तरीके से उत्तर प्रदेश को बनाया है और और प्रदेश में ही नहीं बल्कि दूसरे राज्यों में उनका कथित सुशासन मॉडल की तरह लोकप्रिय हो रहा है ,और यही मोशा की जोड़ी को बर्दाश्त नहीं। लोकसभा चुनावों के हर चरण में भाजपा प्रत्याशियों ने यदि मोशा के बाद किसी नेता की मांग की है तो वो नाम है योगी आदित्यनाथ का। अब नाथ मोशा के सबसे बड़े प्रतिद्वंदी बनकर उभरे हैं। पहले उनकी जगह केन्दीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम सबसे ऊपर लिया जाता था। जानकार बताते हैं कि चुनाव के पांचवें चरण के बाद जहाँ-जहाँ से योगी की मांग आयी,वहां-वहां मोशा की जोड़ी ने विकल्प के तौर पर मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को भेजा । खासतौर पर यादव बाहुल्य वाले राज्यों और चुनाव क्षेत्रों में। मोहन यादव हालाँकि अभी प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की तरह आम जनता के मामा नहीं बन पाए हैं किन्तु भाजपा नेतृत्व उन्हें योगी के स्थान पर पार्टी का नया यादव नेता बनाने में जरूर रूचि ले रही है। डॉ मोहन यादव ने भी योगी की तरह प्रदेश में आल्पसख्यकों को हड़काना शुरूकर दिया है । हाल ही में उन्होंने प्रदेश के मुस्लिमों को चेतावनी दी है कि यदि किसी ने भी सड़कों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की तो उसकी खैर नहीं। डॉ मोहन यादव को मुख्यमंत्री बने छह महीने से ज्यादा का समय हो गया है,लेकिन उनकी पहचान अभी तक मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित नहीं हो पायी है ,लेकिन एक यादव नेता के रूप में स्थापित होने में उन्हें ज्यादा कामयाबी मिली है। मोशा की जोड़ी ने उन्हें अप्रत्याशित रूप से शिवराज सिंह चौहान की जगह मप्र का मुख्यमंत्री बनाया था ,जबकि राज्य विधानसभा का चुनाव चौहान के चेहरे और उनकी सरकार की उपलब्धियों के आधार पर ही लड़ा गया था । कहा जाता है कि शिवराज सिंह का कद एक मुख्यमंत्री के रूप में तो बड़ा हो ही चुका था लेकिन वे लोगों को [पार्टी के भीतर भी और बाहर भी] प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी का विकल्प लगने लगे थे ,इसलिए उन्हें राज्य सत्ता से बेदखल कर दिया गया । अब वे पहले की तरह मात्र एक लोकसभा सदस्य की हैसियत में रहेंगे । सरकार बनने पर जरूर उन्हें नरेंद्र सिंह तोमर के प्रदेश वापस आने से हुई रिक्त कुर्सी दी जा सकती है। चुनाव के छठवें चरण को पार कर चुकी भाजपा का नेतृत्व इस बात को लेकर बहुत सतर्क है की पार्टी में कोई भी चूहे से बिल्ली बनकर मोशे की जोड़ी की तरफ म्याऊं न करे। मोशा कोई जोड़ी ने चुन-चुनकर चूहे से बिल्ली बनने की कोशिश कर रहे तमाम नेताओं को कमजोर कर दिया है। चूहों को बिल्ली बनाने वाले आरएसएस से भी मोशा ने तर्के -ताल्लुक करने के संकेत दे दिए हैं। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के जरिये ये कहलाया जा चुका है कि भाजपा को अब संघ की जरूरत नहीं है। संघ अपनी बिल्ली को अपने ऊपर म्याऊं करते हुए देखकर खुद सन्निपात में हैं। संघ नेतृत्व को खुद ये आशंका है कि यदि 4 जून के बाद भाजपा फिर से बहुमत में आयी तो मोशा संघ को ही कहीं अपना चूहा न बना ले ! संघ की पशोपेश देखते ही बनती है। अब तक मिले संकेतों से लगता है कि भाजपा का सत्ता में बने रहना आसान नहीं है ,किन्तु मोदी है तो मुमकिन है के नारे के साथ भाजपा ईवीएम की मदद से सत्ता सिंहासन पहुंच भी सकती है। पिछले साल पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने ये चमत्कार कर-के दिखा भी दिया था। जब पूरा देश पांच में से तीन राज्यों में कांग्रेस की वापसी का राग अलाप रहा था तब भाजपा ने पांच में से चार पर अपना कब्जा बना लिया था। तमाम अटकलें गलत साबित हो गयीं थीं। मुमकिन है कि लोकसभा चुनाव में भी यही सब फिर से दोहराया जाये। आखिर भाजपा को 400 पर करना है। बहरहाल अभी सभी की नजर 25 मई को समाप्त हुए मतदान के छठवें चरण के बाद अंतिम चरण पर टिकी हुई है। अंतिम चरण में जिन राज्यों में मतदान होना है उन राज्यों की यादव बाहुल्य वाली सीटों पर मोशा मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रही है । योगी से भी ज्यादा महत्व मोहन जी को दिया जा रहा है । खुद योगी जी भी इस तब्दीली को महसूस कार रहे हैं। अब देखना ये होगा कि देश में अगला मॉडल गुजरात का चलेगा या उत्तर प्रदेश का? उत्तर प्रदेश का चलेगा या मध्यप्रदेश का ?आप भी इस तब्दीली पर नजर रखियर और बताइये की आपको या महसूस होता है ?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The lowdown on tall poll promises

POLLING began in Mumbai at 7 am on May 20. I was there at 6:55! I voted in 1952 and in all elections held thereafter. I have voted in the Lok Sabha, Maharashtra Assembly and the Mumbai municipal elections. I have never missed any chance to cast my vote as a concerned citizen, except when the call of duty pinned me down to Punjab and, later, Romania.I went with my neighbours, Satish Sahney and his wife Neelam, to the polling station, a five-minute walk from my home. I was happy with the arrangements for the aged, except for the lighting in the polling booth. To confuse voters, a person bearing the same name as one of the two leading candidates had been fielded. Since the symbol assigned to him resembled somewhat the one I wished to opt for, a brighter light was needed. At 95, the eyesight is not the same as it was even five years ago. However, I am not one to make a mistake.

Every vote is going to count in the current elections. The margins between the leading candidates in every constituency in Mumbai are bound to be slim. This is the unintended consequence of the coup carried out two years ago which led to the split of two major parties in my state — the Shiv Sena and Sharad Pawar's Nationalist Congress Party."If re-elected in the Lok Sabha polls, we will liberate Pakistan-occupied Kashmir (PoK)," declared Home Minister Amit Shah in one of his election meetings. His possible rival for the post of Prime Minister after Modi, Uttar Pradesh CM Yogi Adityanath, said at another poll meeting that "PoK will be in India six months into Modi's third term"!At yet another election meeting of the BJP, Assam CM Hemanta Biswa Sarma said he would "shut down places producing Mullahs" and "end four marriages", referring to the widely held but mistaken belief that every Muslim man has four wives! It will be easier for Sarma to fulfil his promise than for India to take back PoK from Pakistan, as the two aspiring Prime Ministers have announced. That exercise would involve war with a nuclear-powered neighbour which would certainly invoke Chinese help. Going to war is not the type of decision that can be taken at election meetings where tall promises are made to attract voters.Election promises, like poll manifestos, are closely scrutinised by rival parties and analysed and commented on. The Congress has offered to double the ration — presently,

5 kg of rice or wheat to each below-poverty-line (BPL) ration-card holder — that is now being distributed free of charge by the Modi government. Since more than half the population has been included in the BPL category (contradicting the government's statement that it has lifted millions from that category), the new Finance Minister is going to have her or his work cut out in case INDIA wins.But will INDIA win? I have my doubts. But it is true that this time the contest is much closer than it was in 2014 and 2019. The Enforcement Directorate (ED) has succeeded in putting many Opposition bigwigs in jail. It has also succeeded in nudging many other Opposition leaders to defect to the BJP lest they were pursued by the ED or the CBI. But fear of the probe agencies has also brought the Opposition parties together lest Modi achievd his dream of an Opposition-mukt polity.In the interregnum, Opposition parties are making their own tall promises that, if implemented, will spell disaster for the country's economy. Moreover, our country's citizens may get used not only to perpetual freebies but also to not working. No economy can sustain freebies for any length of time. Any government that is voted to office will necessarily have to equip our youth to undertake tasks that require different sets of skills, some manual but increasingly more service-oriented.Modi has repeatedly predicted that the INDIA bloc will disintegrate after the Lok Sabha elections. It is a warning that needs to be taken seriously by all concerned. It would be ideal if the polity is divided into two competing blocs — one right of centre, led by the BJP, and the other left of centre, led by the Congress, the Trinamool Congress and the Aam Aadmi Party.

India must seize the opportunity in the FDI domain

Countries like Vietnam and Indonesia have easier investment terms and many firms are preferring to shift there.

THE government that will assume office next month will inherit an economy that is fast moving towards full recovery after the ravages of the Covid-19 pandemic and the impact of geopolitical tensions. Over the past few months, multilateral institutions and global investment agencies have revised their growth estimates for India in the light of the latest economic data. The International Monetary Fund recently revised growth estimates for 2024-25 from 6.2 to 6.5 per cent. The United Nations has gone a step further and projected growth in 2024 to reach 6.9 per cent from the earlier estimate of 6.2 per cent. The driver of this higher growth is expected to be strong public investment and resilient private consumption.Fitch Ratings, Moody's and Goldman Sachs have made similar upward revisions and their expectations now range between 6.6 and 7 per cent for the current financial year.

The catalyst for these changes is the fact that most economic indicators are showing an upswing. Overall GDP growth in the third quarter of 2023-24 has touched a robust 8.4 per cent, following over 8 per cent growth in the earlier quarters. Similarly, the index of industrial production has risen by 5.8 per cent during 2023-24 compared to 5.2 per cent in the previous fiscal. The core sector industries have recorded 7.5 per cent growth over this period, while GST collections reached a record high of Rs 2.1 lakh crore in April this year.Inflation is also largely under control, though food prices continue to remain an area of concern. During April, retail inflation touched an 11-month low at 4.83 per cent, but food inflation has remained at the double-digit levels. The mid-year update of the UN's World Economic Situation and Prospects 2024 expects inflation to decelerate from 5.6 per cent in 2023 to 4.5 per cent in 2024, thus staying within the ambit of the central bank's range of 2 to 6 per cent.It is in this backdrop that developed economies like the US are finding investment in this country increasingly attractive. Significantly, India has found its mojo, as it were, at a time when the relations between the world's two economic superpowers — the US and China — are witnessing discontent. Analysts are expecting the East Asian giant to become more aggressive and yet more closed in its economic policies than ever before. At the same time, the Biden administration has begun to impose export controls aimed at China on sensitive high-technology products like semiconductors, along with their tools and personnel. This has more to do with security issues than any economic rationale as the curbs will likely hurt American industry. India's ban on TikTok for similar security reasons is now being viewed as a worthy precedent.

It is the US-China friction as well as the recognition during the pandemic that concentrating investments in a single location can be counter-productive that have spawned the China Plus One policy. India is being viewed as a 'friendly' developing country and multinationals are thus looking at it through a fresh lens. It has not hurt that tech giant Apple has taken a big leap by shifting its established infrastructure here from our northern neighbour. It has begun making its latest models in this country, while investments in new plants have risen exponentially in the southern states of Tamil Nadu, Karnataka and Andhra Pradesh.Some Western economists are describing the strategic shifts in the US-China relations as a decoupling that has now reached an inflection point. It is for the new government to seize this opportunity and ensure that the investment climate becomes easier for companies seeking to set up projects outside China.

In fact, improving the ease of doing business here will have to be one of the priority items on its agenda. Despite efforts made by the current regime to reduce regulatory tangles, bureaucratic red tape continues to bedevil foreign investors. In contrast, countries like Vietnam and Indonesia have easier investment terms and many companies are preferring to shift there. India will thus need to unravel much of its regulatory complexities especially at the level of state governments. Much streamlining has been done by the Centre, but several states continue to have onerous approval processes. This is one of the reasons that states in the south, for instance, tend to have a higher inflow of foreign investments.

The growing protectionism that had accompanied the Make in India initiative has also been a worry for investors. Average import tariffs have been gradually rising over the past few years. On the bright side, top industry ministry officials recently warned domestic industry to prepare for a lower tariff regime as the country looks to sign more free trade agreements (FTAs). Thus, it looks as if protective tariff walls may slowly shrink, which is all to the good.he drive to enter into FTAs also indicates greater flexibility in the approach towards market access. This has enabled the conclusion of FTAs with the UAE, Australia and Mauritius. The latest trade pact entered into with the European Free Trade Association has even taken an innovative approach involving a commitment of $100 billion of investments from the group. Similarly, FTAs with the European Union, the UK and Oman are currently under negotiation.The urgency of creating a conducive investment climate has grown as foreign direct investment (FDI) flows have dwindled in the past two years. One reason has been the slowdown in global transnational investment flows owing to geopolitical factors. Even so, concerted efforts must be made to reverse the trend and bring more FDI into the country.Though many issues are bound to be on the agenda of the new government, FDI has to rank high. A protectionist attitude must be shed and outdated regulatory processes reviewed so that setting up a business does not entail hundreds of approvals. A window of opportunity exists right now in the arena of foreign investments due to shifts in geoeconomic ties. It must be utilised rapidly or the country will lose out in the long run.

Reviewing Agnipath

Tweaks a must to allay fears over the scheme

REPEATEDLY described by the government as a game-changer and a force multiplier for the armed forces, the Agnipath scheme has been under intense scrutiny ever since it was rolled out in June 2022. The retention of only 25 per cent of the inductees after the completion of their four-year tenure has been a contentious point in military and political circles, with the Congress promising in its 2024 Lok Sabha election manifesto that it would scrap the scheme and revert to the old recruitment procedure that had been followed by the Army, Navy and the Air Force.

Weeks after Defence Minister Rajnath Singh said that the government was open to bringing about any change in the scheme, 'if required', a leading newspaper has reported that the Army is conducting an internal survey to assess Agnipath's impact on the recruitment process; it is seeking the views of Agniveers, unit commanders and the staff at regimental centres. On the basis of the survey's findings, the Army is likely to make recommendations to the next government on possible tweaks.The Centre's reassurance that the future of young individuals inducted as Agniveers would not be adversely affected has failed to allay doubts and apprehensions about the job prospects of 75 per cent of the recruits, whose economic and social security would be at stake after their service period ends. The Congress is tapping into this unhappiness with the scheme and making it a poll issue in Haryana. A thorough review of Agnipath is in order, particularly the retention ratio. There is no quarrel with the objective of creating younger, fitter forces by reducing the average age of defence personnel, but the government must not lose sight of the long-term picture. Considering the widespread unemployment and underemployment in the country, the rehabilitation of tens of thousands of disgruntled, dispirited youth will require unswerving commitment from the public and private sectors.

Taking farmers for granted fraught with peril

We cannot keep farmers confined to villages, hoping that they will raise their grievances only at the block level.

PM Narendra Modi perhaps got a sense of the massive farmers' resistance that has been building over the years in Punjab when he visited Patiala on Thursday to address a political rally. The city turned into a fortress as thousands of security personnel were deployed to keep protesting farmers away.However, with their peaceful protest, including laying a 'siege' to the entry points to the city, holding demonstrations with black flags and staging a dharna outside the Deputy Commissioner's office, the farmers managed to demonstrate their ire and exasperation. Growers in the north-western region of the country have certainly emerged as a powerful force. After their iconic agitation at the borders of New Delhi in 2020-21, the farmers' movement has emerged as a counterbalancing exercise to neutralise the growing corporate influence so as to bring back the focus on the economic stability of the toiling farming masses.

Unlike in the past, farming issues have now begun to occupy the limelight internationally. In Europe alone, 24 of the 27 EU nations recently saw unprecedented protests, which forced the heads of governments of member countries to listen to the irate tillers.

Contrary to how European countries allowed farmers to come all the way to capital cities, the Indian government had erected barriers to stop them from reaching New Delhi. Multiple layers of security personnel in riot gear and the fencing of highways with barbed wires and spikes had stalled the march of farmers. For the agitators, it became clear that they were not being allowed to enter the Capital to raise their demands. Instead of getting into a confrontation, they stayed put at the border.

Earlier this week, a large number of farmers had assembled on the call of protesting farm unions belonging to the Samyukta Kisan Morcha (Non-Political) at Shambhu and Khanauri in Punjab (bordering Haryana) to mark the completion of 100 days of the 'Dilli Chalo' march, which began on February 13 but was stopped by security forces.

"If the government does not allow farmers to reach Delhi, they too will not allow BJP candidates to enter villages," goes the common refrain.Besides BJP candidates, agitating farmers have also blocked the entry of candidates belonging to the Jannayak Janta Party, which was a coalition partner of the BJP in Haryana. Farmers continue to pose questions to the poll candidates about their demands, particularly a legal guarantee of procurement at the minimum support price (MSP) for various crops.In any case, the agitating tillers are not letting BJP candidates enter the villages for campaigning in Punjab, Haryana and, to some extent, adjoining parts of Rajasthan and western Uttar Pradesh. In Himachal Pradesh, too, apple farmers have been protesting against the failure to hike the import tariffs that can minimise the surge in imports. A number of video clips show how protesting farmers have made the BJP nominees beat a retreat.It's been easy for some political leaders, a section of the urban elite and the media to accuse farmers of staging protests for vested interests and hurl abuse at them — labelling them as Khalistanis and 'anti-nationals'. What they have failed to realise is that all the vilification that continues to be done has hurt the pride of the farming community. After all, let's not forget that the sturdy farmers of Punjab and Haryana pulled the country from the throes of a 'ship-to-mouth' existence, when food would come directly from the ships to feed the hungry. An ungrateful nation cannot be allowed to treat them as an economic burden. Even now, any shortfall in production arising from climatic aberrations shifts the nation's focus to Punjab's farmers. All efforts are then made to increase the procurement of wheat and paddy in Punjab and Haryana, jointly known as the food bowl of the country.These cultivators continue to ensure food security for the nation, essential for maintaining national sovereignty. They slog day and night, defying the sweltering heat or harsh winters, to produce a bumper crop, only to be deprived of rightful prices.What the farmers here want is a legally binding, guaranteed price. Farmers in France are demanding legislation to guarantee the cost of production plus profit margin and a cover for social costs. In Northern Ireland, tillers are asking for a farm welfare Bill that ensures legislative protection for fair prices for farmers. In other words, the demand for a legal mechanism to guarantee an MSP based on the Swaminathan formula is now finding resonance across the globe. But to be told that paying a guaranteed price to farmers will distort markets is outdated economic thinking that has kept farming impoverished. It is actually aimed at keeping farming perpetually in poverty.Market distortion is a fear that the corporate world has successfully drilled into public thinking. In the US, economists say that 50 per cent of the raging inflation is because of the higher profits that companies are extracting and passing on to consumers as the retail price. If that has not led to any market distortion, the fear that a guaranteed higher price for farmers will distort markets is unwarranted.Farmers are an awakened lot, especially in the north-western region, where they are much more alert and aware. Having emerged as a powerful force after the year-long farmers' stir that forced the withdrawal of the three contentious farm laws, it will not be possible to ignore them anymore. Let's be clear. We cannot keep farmers confined to villages, hoping they will raise their grievances only at the block level. They are also citizens of this country and should not face barriers in exercising their democratic rights.

Forex reserves jump to record high of $650 bn

MUMBAI . The country's forex reserves hit an all-time high of $648.7 billion, rallying $4.54 billion during the week to May 17, the central bank said in its weekly statistical supplement released on Friday.

This follows a surge of $2.56 billion in the previous week. The previous record peak was $645.6 billion for the week to April 5 and the first the kitty the $640 billion mark was in September 2022. Apart from offering the marco stability and smooth payment settlements, the higher forex reserves alsp0 cements the country's balance of payments opposition with higher and longer import cover, which at the current level should be around 13 months.

At $648.7 billion on a year to date basis, the kitty swelled by 496.47 billion, as this day last year the reserves stood at $552.23 billion which jumped to $648.70 billion as of last week.The weekly increase was led by foreign currency assets which jumped by $3.361 billion to $569.01 billion, the central bank said. Expressed in dollar terms, the foreign currency assets include the effect of appreciation or depreciation of non-US units like the euro, pound and yen held in the foreign exchange reserves.

Gold reserves also increased by $1.24 billion to $57.19 billion, while SDRs rose by $113 million to $18.16 billion. But reserve position in the IMF declined by by $168 million to $4.32 billion.

Ashok Leyland PAT up 90% in FY24 as operating margin improves

NEW DELHI . Sharp improvement in EBITDA margin helped Hinduja Group flagship company Ashok Leyland to report a 90% annual jump in profit in the financial year 2024.

Clocking its highest-ever profit after tax (PAT) in a single year, the commercial vehicle (CV) major's net profit in FY24 came at `2,696 crore against Rs 1,359 crore in FY23. In FY24, Consolidated revenue from operations was at Rs 45,790 crore as against Rs 41,672 crore in FY23, it said on Friday.arnings before interest, taxes, depreciation and amortization (EBITDA) margin, or operating profit margin, for Ashok Leyland improved to 12% from 8.1% in the year-ago period. This improvement was achieved by better price realisations, lower commodity prices, and strong margins in non-truck businesses.

For the quarter ending March, it reported a 16.73% increase in net profit to Rs 934 crore as against Rs 800 crore in the same period of the previous fiscal. Consolidated revenue from operations in the quarter under review stood at Rs 13,577.58 crore as against Rs 13,202.55 crore in the year-ago period. Operating margin improved to 14.1% in the quarter from 11% in the year-ago quarter. "Whether it is revenues, EBITDA margins or profits, we have achieved all-time high numbers. This gives us even more strength to move towards our medium-term goal of mid-teen EBITDA," said Shenu Agarwal, MD & CEO, Ashok Leyland.

It will expand its presence in light commercial vehicle (LCV) segment. Ashok Leyland has proposed a capex of Rs 500-700 crore in FY25. "Currently, we address half of LCV market in India. We are looking to expand our LCV product portfolio to cover at least 70-80% in the next few years," said Dheeraj Hinduja, Chairman of Ashok Leyland.

Hindalco profit jumps 32% to Rs 3,174 crore on record sales

sHigher metal sales and improved margins pushed Aditya Birla group metals flagship Hindalco Industries' consolidated net profit by 32% on-year to Rs 3,174 crore in the March quarter.

The company in a statement on Friday said while all business verticals performed well, with record aluminum and copper sales and the resultant margin improvement, the main reason for the good show is its US subsidiary Novelis which reported a strong performance with 25 percent more operational income at $540/tonne.The company said the copper business delivered a new record-breaking performance in Q4, with an all-time high operating income of Rs 776 crore, which was up 30 percent on-year, backed by record sales. On the other hand, the upstream aluminium business reported an operating margin of 32 percent, which it claimed is the best in the industry, globally, taking its revenue to Rs 2,709 crore, which is 24% more than the comparable period in the previous fiscal.However, for the full year, the consolidated net fas flat with a marginal 1% growth at Rs 10,155 crore. All-time high metal sales volumes in aluminium of 1,372 kt up by 2 percent, and copper at 506 kt, up 15%. The board of the company has recommended a dividend of Rs 3.5/share for FY24. Satish Pai, MD, said they concluded the year with strong results across business segments. This was due to the strategic focus on value-added products and margin improvement.

CBDT Notifies Cost Inflation Index for FY25 At 363: What Is This

NEW DELHI . The income tax department has notified the cost inflation index for the current fiscal beginning April 2024 for calculating long-term capital gains arising from the sale of immovable property, securities and jewellery.The cost inflation index (CII) is used by taxpayer to compute gains arising out of sale of capital assets after adjusting inflation. The Central Board of Direct Taxes (CBDT) on May 25 notified the cost inflation index for the current financial year (2024-25).The Cost Inflation Index for FY 2024-25 relevant to AY 2025-26 & subsequent years is 363," according to the notification of the Central Board of Direct Taxes notifying the latest CII number.Suppose you bought a house 10 years ago. Today, you might be able to sell it for a much higher price. But, has the house itself really become that much more valuable? Not necessarily. Inflation, the general rise in prices over time, means your money buys less each year.The Cost Inflation Index (CII) is a tool that helps account for this. It's a number published by the government that reflects the estimated yearly increase in prices. This index is particularly useful when calculating capital gains taxes on things like property or stocks. By factoring in inflation, the CII helps adjust the original purchase price of an asset to better reflect its real value today.

Google to invest nearly $350 million in Flipkart

Walmart is expected to have invested $600 mn in the India-based online retailer

NEW DELHI . In the latest round of funding, Walmart-owned ecommerce platform Flipkart has raised $350 million from Google. This is part of the $1 billion funding round led by Walmart. According to reports, Walmart is likely to have invested $600 million in the India-based online retailer.In a statement issued by Flipkart on Friday, it said that as part of the latest funding round led by Walmart, it will be adding Google as a minority investor, subject to receipt of regulatory and other customary approvals by both parties.Google's proposed investment and its cloud collaboration will help Flipkart expand its business and advance the modernization of its digital infrastructure to serve customers across the country," added the press statement.

Though Bengaluru-headquartered e-retailer did not divulge the amount of investment Google is likely to bring in, multiple reports and sources pegged the US-based tech giant's investment at $350 million. Walmart had in December 2023 invested $600 million in Flipkart. When TNIE contacted the spokespersons of Flipkart and Google, they declined to share any other details of the proposed transaction. Flipkart spokesperson said they have no more information to share at the time.After the latest funding rounds by Walmart and Google, Flipkart's valuation is likely to be around $35-36 billion. This means Google would be picking up around 10% in the e-commerce firm. US-based retail giant Walmart, which picked up a majority stake in Flipkart in 2018, currently holds 80-85% stake in the latter, according to multiple startup funding tracker websites.Walmart had acquired 77% in Flipkart in a $16-billion deal that was completed in 2018. Subsequently, it bought stakes from other early investors such as Binny Bansal, Tiger Global and Accel.Google last year had promised to invest $10 billion in India's efforts towards digitization. The US-based tech giant had invested $4.5 billion in Reliance Jio platform in 2020. Apart from these, Google has invested in a clutch of Indian start-ups such as ShareChat, Verse Innovation, Glance and DailyHunt.Flipkart operates in India's e-commerce space, which is largely dominated by Amazon.It reported Rs 15,044 crore in revenue and a loss of Rs 4,026 crore in FY23.Flipkart's value to be $35-36 billion

After the latest funding rounds by Walmart and Google, Flipkart's valuation is likely to be $35-36 billion. This means Google would be picking up around 10% in the e-commerce firm. US-based retail giant Walmart, which picked up a majority stake in Flipkart in 2018, currently holds 80-85% stake in the latter.

JLR to assemble Range Rover, Range Rover Sport in India

The move, according to JLR, will enable the clientele in India to benefit from shorter wait times for Range Rover vehicles.

NEW DELHI : For the first time in 54 years, Tata Motor's British subsidiary Jaguar Land Rover (JLR) will assemble Range Rover and Range Rover Sport SUVs outside the UK. The two Range Rovers now join models such as Range Rover Velar, Range Rover Evoque, Jaguar F-PACE and Discovery Sport that are locally manufactured at JLR's facility in Pune, Maharashtra.The Defender SUV, which is one of JLR's best-selling models globally and in India, however, will continue to be fully imported. Also, the upcoming Range Rover electric as well as the 'SV' vehicles will roll out from the Solihull plant, UK.The move, according to JLR, will enable the clientele in India to benefit from shorter wait times for Range Rover vehicles. This will also reduce the prices of the two SUVs by 18-22% or up to Rs 56 lakh due to lower taxes. The Range Rover family cars in India are priced between 67.90 lakh (starting price for Range Rover Evoque) and Rs 2.36 crore (starting price for New Range Rover). "Manufacturing Range Rovers in India should send a signal about how serious we are about Indian market," said N. Chandrasekaran, chairman, Tata Group. He expressed gratitude to the vision of Ratan Tata, who brought JLR to India 15 years ago.

Currently, India's luxury car market is dominated by German brands such as Mercedes, BMW and Audi. As per industry estimates, luxury carmakers sold little over 45,000 units in FY24 with market leader Mercedes dispatching over 18,000 units. JLR India achieved sales of 4,436 units last fiscal, its highest sales in 5 years.

Defender SUV to be imported

The Defender SUV, which is one of JLR's best-selling models globally and in India, however, will continue to be fully imported. Also, the upcoming Range Rover electric as well as the 'SV' vehicles will roll out from the Solihull plant, UK

Adani Ports to replace IT major Wipro in BSE Sensex from June 24

NEW DELHI . Country's largest port operator Adani Ports and Special Economic Zone (APSEZ) will replace IT major Wipro in the prestigious 30-share BSE Sensex index from June 24, according to an official announcement on Friday.This marks the first inclusion of any Adani Group firm in Sensex. The group, promoted by billionaire Gautam Adani, has 10 listed firms with a combined market valuation surpassing Rs 17 lakh crore. Notably, both APSEZ and Wipro are constituents of NSE's Nifty index, the other benchmark index of India's equity market. Adani Group flagship company Adani Enterprises is also part of the Nifty index.

The changes will be effective from June 24, 2024, Asia Index, a joint venture between S&P Dow Jones Indices and BSE, said in a statement adding that the replacement is a part of periodic review.Adani Ports' inclusion in the Sensex will attract inflows of $252 million from passive funds that track the index, according to IIFL Alternative Research. Wipro is expected to see an outflow of $161 million.

While Adani Ports' shares have gained more than 90% in one year, Wipro shares have advanced 16%. In addition, Tata Group company Trent Ltd will enter S&P BSE Sensex 50, while Divi's Laboratories will be dropped from the index. Apart from these, changes have been announced in S&P BSE 100, S&P BSE Bankex and S&P BSE Sensex Next 50. In S&P BSE 100 index, REC, HDFC Asset Management Company, Canara Bank, Cummins India and PNB will be included.

o see fund inflows

Adani Ports' inclusion in Sensex will attract inflows of $252 mn from passive funds that track the index, as per IIFL Alternative Research

Macro buffers to help India navigate global headwinds'

NEW DELHI. Strong macroeconomic buffers of India should help the real sectors of economy navigate the external headwinds smoothly and continue the growth momentum of the previous year, a finance ministry report said on Friday. The ministry's monthly economic review for April also said the positive indications in the farm sector should help India firewall against any adverse pressures that may arise from geopolitical tensions and global commodity prices.

But the report cautioned that the unrelenting geopolitical tensions and volatility in global commodity prices, especially of petroleum products, present substantial multi-frontal challenges.

It said early indications suggest a continuation of the economic momentum during the first quarter of FY25. The emerging robust trends in high-frequency indicators of growth such as the GST collections, e-way bills, electronic toll collections, sale of vehicles, purchasing managers' indices and the value and number of digital transactions attest to the growing strength of the economy, the report added."Thus, the major pillars of India's macroeconomic strength, including growth, price stability and fiscal management, are directionally positive and mutually reinforcing," said the report prepared by the department of economic affairs.

It said that going forward, the inflation trajectory would be influenced by several factors and asserted that govt initiatives, including the open market sales, monitoring of stocks, import of pulses, and export restrictions, are expected to help stabilise food prices.

Q4 GDP growth may moderate to 6.5-6.7%: Analysts

According to ICRA, the agricultural sector is expected to contract for the second consecutive quarter, highlighting ongoing struggles in rabi output.

NEW DELHI . The country's gross domestic product (GDP) is likely to moderate to 6.5-6.7% year-on-year in Q4FY24, raising concerns over a slowdown in gross value added (GVA) growth, driven by challenges in the industrial and services sectors, as per experts. Meanwhile, the growth for whole year is expected to come in at 7.8% as predicted by the International Monetary Fund (IMF).According to ICRA, the agricultural sector is expected to contract for the second consecutive quarter, highlighting ongoing struggles in rabi output."ICRA has projected the year-on-year (YoY) expansion of the GDP to moderate to a four-quarter low of 6.7% in Q4 FY24 from 8.4% in Q3 FY24," the rating agency said. "For the full-year FY24, ICRA expects the GDP and GVA growth to print at 7.8% and 7.0%, respectively, unless the growth for 9M,FY24 is revised," it further added.

As per ICRA, the gap between the GDP and the GVA growth is likely to moderate to 100 basis points (bps) in Q4FY24 from the high 185 bps in the previous quarter. This is on account of an expected lower expansion in net indirect taxes in Q4 owing to a narrower dip in the subsidy outgo."We expect Q4FY24 GDP growth may exceed 6.5%, thereby enabling a full-year growth for FY24 to be close to 7.8% as predicted by the IMF," said DK Srivastava, chief policy advisor at EY India. Government revenues, including taxes and other sources, have shown resilience, with gross tax revenues increasing notably by 13.4% for the first eleven months of fiscal year 2024, according to data from the Controller General of Accounts, Srivastava added.

State Bank of India, in its economic report in March, had said, "For FY24 GDP growth is expected to increase by 7.6% and GVA growth by 6.9%. Based on the FY24, 7.6% GDP growth, we estimate Q4 GDP growth at 5.9%, which we believe is an understatement. Thus it is most likely that FY24 GDP growth could be within striking distance of 8%."

GDP, GVA gap may moderate to 100 bps in Q4

According to the ICRA, the gap between the GDP and the GVA growth is expected to moderate to 100 basis points (bps) in Q4FY24 from the high 185 bps in the previous quarter. This is on account of an expected lower expansion in net indirect taxes in Q4 owing to a narrower dip in the subsidy outgo

Severe Cyclone Remal heads for Bengal coast, Odisha braces for impact

New Delhi: A low-pressure system in the Bay of Bengal has intensified into severe cyclonic storm Remal, the India Meteorological Department (IMD) said. The storm is expected to make landfall on the coasts of Bangladesh and West Bengal early Sunday (May 26) morning, bringing heavy rain and strong winds.According to the IMD, Cyclone Remal will move northward and then eastward, becoming a severe cyclonic storm over the east-central Bay of Bengal by Saturday morning. It will then intensify further and track towards the coasts of Bangladesh and West Bengal, with a possibility of crossing the coast between Sagar Island (India) and Khepupara (Bangladesh) by Saturday night.The IMD has forecast wind speeds reaching 110-120 kilometres per hour (kmph) gusting up to 135 kmph at landfall. Extremely heavy rainfall is likely in the coastal districts of West Bengal and north Odisha on May 26-27, with potentially extremely heavy precipitation in parts of northeast India on May 27-28.

HEAVY RAIN ALERT IN BENGAL

A storm surge of up to 1.5 metres is forecast to inundate low-lying areas of coastal West Bengal and Bangladesh during landfall. The weather office has warned fishermen to stay out of the north Bay of Bengal until the morning of May 27.The IMD issued a red alert for West Bengal's coastal districts of South and North 24 Parganas, warning of heavy to very heavy rain with wind speeds reaching 80-90 kmph gusting to 100 kmph on May 26 and 27. An orange alert has been issued for Kolkata, Howrah, Nadia, and Purba Medinipur districts, forecasting heavy rain with wind speeds of 80-90 kmph gusting to 100 kmphHeavy rain is also expected in Purba Medinipur on May 25, which coincides with elections in Tamluk and Kanti Lok Sabha constituencies. The rest of south Bengal can expect wind speeds of 40-50 kmph gusting to 60 kmph, accompanied by heavy rain.

The IMD has warned of potential localised flooding and major damage to vulnerable structures, power and communication lines, roads, crops, and orchards in the affected areas. Residents have been advised to stay indoors and evacuate from unsafe structures.

ODISHA BRACES FOR CYCLONE IMPACT

The Odisha government has alerted authorities in four coastal districts – Kendrapara, Bhadrak, Balasore, and Mayurbhanj – to take preparatory measures in anticipation of the storm's impact. Wind speeds of 40-50 kmph with heavy to very heavy rain are expected in these districts, the weather bureau said.Remal is the first pre-monsoon cyclone in the Bay of Bengal this season. The name was provided by Oman, following the regional naming system for cyclones in the north Indian Ocean.

Atishi Alleges "Slow Voting" In Opposition Strongholds, Governor Reacts

New Delhi: Delhi Minister and AAP leader Atishi on Saturday cast her vote in the sixth phase of the general elections and alleged that the Lieutenant Governor of Delhi VK Saxena, held a meeting with Delhi Police to slow down the voting process in areas which are strongholds of the INDIA bloc.

"We have received official information that last evening, LG had called a meeting of Delhi Police officials and instructions were given to Delhi Police that in all the areas which are strongholds of the INDIA alliance, voting should be slowed down in those areas. If this happens then it will be a violation of free and fair elections. So we hope that the Election Commission will take cognizance of this," Atishi alleged.Atishi cast her vote in New Delhi's Kalkaji area. The New Delhi constituency is seeing a fight between AAP's Somnath Bharti and BJP's Bansuri Swaraj.

Further, the AAP leader urged the people to come out and vote."I hope that the people of Delhi and the country will come out of their homes and vote despite the heat. Elections are a festival of democracy and it is the responsibility of every person to participate in it," she added.Earlier, Atishi had made the same allegation in a post on X to which Delhi CM Arvind Kejriwal said "This is shocking. EC should ensure smooth voting in Delhi."Responding to the AAP's allegations, Delhi Lieutenant Governor VK Saxena said, "I have taken a stern view of this unwarranted & false statement on the eve of election against a constitutional authority by a Minister, endorsed by you.""This impropriety is unacceptable & these typically absurd & concocted claims are a deliberate design to subvert democracy by misleading voters. Strict action will be taken," VK Saxena said further in the post.The sixth phase of Lok Sabha polls includes eight seats in Bihar, all 10 seats in Haryana, one seat in Jammu and Kashmir, four in Jharkhand, all seven seats in Delhi, six in Odisha, 14 in Uttar Pradesh, and eight in West Bengal.

BJP Has Lost National Security Narrative, Claims Shashi Tharoor

Patna: Senior Congress leader Shashi Tharoor on Friday slammed the Central government over national security, claiming that it did not take any action on the border issues involving China.

"The BJP contested the 2019 Lok Sabha elections making national security an issue, but what happened after that? China came to the borders and destroyed the understanding that the two countries developed over the years. They (China) knew that the Narendra Modi government only talks, but doesn't take any action," Mr Tharoor said while interacting with mediapersons here.

"If the BJP is contesting the ongoing elections on national security, I would like to say that we had 65 patrolling points on the India-China border where the armies of both countries had the authority to do patrolling for 45 years. Now, the Chinese army has occupied 26 of them and they are not allowing the Indian Army to go there.

"The Modi government has not done anything in this matter. Twenty of our soldiers were martyred in the Galwan Valley in Ladakh," Mr Tharoor said.Mr Tharoor's remarks came after senior BJP leaders pointed out that PoK belongs to India, and it wil be taken back from Pakistan at any cost.

Mr Tharoor added: "The national security narrative of the BJP failed during this election and hence its leaders raised issues of Ram Temple and Hindutva. Now, we have set the narrative for the ongoing Lok Sabha polls.

"We asked people if there was any change in their lifestyle in the 10 years of Narendra Modi's rule. Do common people get jobs? Has their purchasing power increased? But people are saying that nothing like this happened in their lives. We also asked people why we should give the BJP a third chance," Mr Tharoor said.

Delhi sizzles under intense heatwave on polling day, yellow alert issued

New Delhi: The India Meteorological Department (IMD) has predicted severe heatwave conditions in most parts of Rajasthan and isolated pockets of Delhi, Punjab, Haryana, and Chandigarh. The heatwave is expected to affect Jammu division, Himachal Pradesh, West Uttar Pradesh, East Madhya Pradesh, Vidarbha, Central Maharashtra, and Gujarat as well.

POLLING UNDER SCORCHING HEAT

Polling for the sixth phase of Lok Sabha elections began in Delhi on Saturday at 7 am, amid the soaring temperatures. The mercury touched 41 degrees Celsius, one degree above normal.A 'yellow' warning is in place and the Met office has predicted that the mercury is likely to reach a maximum of 44 degrees Celsius. The Delhi poll body has said that it is making arrangements for the voters to beat the scorching heat.

WARM NIGHTS AHEAD

The IMD has also predicted warm night conditions over Rajasthan, Delhi, Punjab, Haryana, and Chandigarh between May 24 and May 28.

HEATWAVE-RELATED DEATHS IN RAJASTHAN

Six deaths due to suspected heat stroke were reported in Rajasthan, where temperatures soared to 49 degrees Celsius, officials said on Friday. According to the state's Disaster Management and Relief Department, three people died in Balotra, and one each in Bhilwara, Bikaner, and Jodhpur. Many parts of the state reeled under severe heatwave conditions, with Phalodi being the hottest at 49 degrees Celsius.

The relentless heatwave, driven by a high-pressure system over Northern India, has caused daytime temperatures to rise dramatically. The IMD has said the current heatwave is likely to persist, prompting authorities to take necessary precautions to ensure public safety during the election period.

Trinamool Alleges "BJP Tag" On EVMs In Bengal. Election Commission Replies

New Delhi: The Election Commission today responded to Trinamool Congress's allegation that EVMs "with BJP tags" were used in Bankura district.

Sharing two pictures of EVMs with paper tags with BJP written on them, the Mamata Banerjee-led party posted on X, "Smt. @MamataOfficial has repeatedly flagged how @BJP4India was trying to rig votes by tampering with EVMs. And today, in Bankura's Raghunathpur, 5 EVMs were found with BJP tags on them.""@ECISVEEP should immediately look into it and take corrective action," the post added.

Responding to the charge, the poll body tweeted, "While commissioning, common address tags were signed by the Candidates and their agents present. And since only BJP Candidate's representative was present during that time in the commissioning hall, his signature was taken during commissioning of that EVM and VVPAT.""However, signature of all the agents present in PS No 56,58, 60, 61,62 was obtained during Poll. All the ECI norms were duly followed during commissioning was done entirely under CCTV coverage and was duly videographed," it added.

Eight Lok Sabha seats in West Bengal are going to the polls in the sixth phase of the general election today. The BJP, which posted an impressive show in the eastern state last time by winning 18 seats, is banking on increasing its score this time. The Trinamool, on the other hand, is looking to recover some of the seats it lost in the 2019 polls.

The key candidates in these eight Bengal seats include fashion-designer-turned-politican Agnimitra Paul, former Calcutta High Court judge Abhijit Gangopadhyay and Trinamool's Debangshu Bhattacharya, the head of the Trinamool social media cell who penned its campaign song Khela Hobe.

Scorching summer leaves 150 key reservoirs across India at just 24% capacity

New Delhi: Amid the scorching summer, the total live storage available in 150 key reservoirs across India is 24 per cent of the total live storage capacity, marking a 21 per cent decrease recorded during the same period last year, according to official data.The Central Water Commission (CWC) released its weekly bulletin on Friday on the live storage status of 150 key reservoirs across India, revealing a significant decline in water levels compared to last year.The southern region, encompassing Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka, Kerala and Tamil Nadu, is the most affected. The 42 reservoirs in this region have a total capacity of 53.334 BCM, with current storage at just 7.455 BCM (14 per cent). This is significantly lower than last year's 25 per cent and the normal 20 per cent.

The total live storage available is 43.293 billion cubic meters (BCM), which is 24 per cent of the total live storage capacity of these reservoirs.This marks a 21 per cent decrease from the 55.037 BCM recorded during the same period last year and is also below the normal storage of 45.480 BCM, based on the average of the last ten years.The current storage represents 79 per cent of last year's levels and 95 per cent of the ten-year average normal storage.The northern states of Himachal Pradesh, Punjab and Rajasthan have 10 monitored reservoirs with a combined live storage capacity of 19.663 BCM, but currently hold only 5.554 BCM (28 per cent). This is a decline from last year's 37 per cent and below the normal 31 per cent.In contrast, the eastern region, which includes Assam, Jharkhand, Odisha, West Bengal, Tripura, Nagaland, and Bihar, shows a slight improvement. The 23 reservoirs in this region have a total capacity of 20.430 BCM, with current storage at 6.013 BCM (29 per cent). This is better than last year's 26 per cent and the normal 28 per cent.

Gujarat and Maharashtra are experiencing lower storage levels compared to the last year.he 49 reservoirs in this region have a combined capacity of 37.130 BCM, but are currently at 9.400 BCM (25 per cent), down from last year's 29 per cent but slightly above the normal 24 per cent.The central states of Uttar Pradesh, Uttarakhand, Madhya Pradesh and Chhattisgarh are also facing reduced storage levels. Their 26 reservoirs, with a total capacity of 48.227 BCM, currently hold 14.871 BCM (31 per cent). This is lower than last year's 38 per cent but above the normal 29 per cent.Further analysis shows that storage levels are highly variable across different river basins.The Ganga, Subarnarekha, Brahmaputra, Barak, Brahmani, Baitarni, Narmada, Tapi and Sabarmati basins have better than normal storage.

Lok Sabha Election: 25.76% voter turnout till 9 am in Phase 6, 21.69% in Delhi

In the sixth phase of Lok Sabha elections, Delhi saw a voter turnout of 21.69%, 27.06% in Uttar Pradesh, 23.67% in Bihar, 36.88% in West Bengal, 21.30% in Odisha, 27.80% in Jharkhand and 23.11% in Jammu and Kashmir at 11 am.

New Delhi: A voter turnout of 25.76 per cent was recorded at 11 am in the sixth phase of the Lok Sabha elections being held on 58 seats. Polling is underway across six states and two Union Territories (UTs), Delhi, and Jammu and Kashmir. Earlier, the voter turnout at 9 am was 10.82 per cent.Polling is underway in 14 seats in Uttar Pradesh, all 10 seats in Haryana, seven seats in Delhi, eight seats each in Bihar and West Bengal, six seats in Odisha, four seats in Jharkhand and one seat in Jammu and Kashmir. Simultaneously, polling is also being held for 42 assembly constituencies in Odisha.

At 11 am, Delhi recorded a voter turnout of 21.69 per cent, up from 8.94 per cent at 9 am. Uttar Pradesh saw a jump in voter turnout at 27.06 per cent from 12.33 per cent at 9 am, 23.67 per cent in Bihar at 11 am compared to 9.66 per cent at 9 am, 36.88 per cent in West Bengal at 11 am compared to 16.54 per cent at 9 am, 21.30 per cent in Odisha at 11 am compared to 7.43 per cent at 9 am, 27.80 per cent in Jharkhand at 11 am compared to 11.74 per cent at 9 am and 23.11 per cent at 11 am in the Anantnag-Rajouri seat in Jammu and Kashmir as compared to 8.89 per cent at 9 am.Voting began at 7 am and will go on till 6 pm. People were seen queuing up at several polling stations on 58 seats.

Several prominent candidates who are contesting in this phase are Union ministers Dharmendra Pradhan, Rao Inderjit Singh and Krishan Pal Gurjar, BJP's Maneka Gandhi, Sambit Patra, Abhijit Gangopadhyay, Manohar Lal Khattar and Manoj Tiwari, PDP chief Mehbooba Mufti and Congress leaders Deepender Singh Hooda, Raj Babbar and Kanhaiya Kumar.

PM SAYS VOTE IN LARGE NUMBERS

Prime Minister Narendra Modi urged voters to exercise their right to franchise in the penultimate phase of the Lok Sabha elections in large numbers."I urge all those who are voting in the 6th phase of the 2024 Lok Sabha elections to vote in large numbers. Every vote counts, make yours count too! Democracy thrives when its people are engaged and active in the electoral process. I especially urge women voters and youth voters to vote in large numbers," he tweeted.Over 11.13 crore voters -- 5.84 crore male, 5.29 crore female and 5,120 third gender -- are eligible to exercise their franchise. The Election Commission has deployed around 11.4 lakh polling officials at 1.14 lakh polling stations.

Ex Singapore PM's brother ordered to pay Rs 1.3 crore to Indian-origin ministers

Singapore. Lee Hsien Yang, the brother of former Singapore prime minister Lee Hsien Loong, has been ordered by the High Court to pay SGD 200,000 (Rs 1.2 crore) each to Indian-origin ministers K Shanmugam and Vivian Balakrishnan for defaming them over their rental of state properties in an affluent suburb here.

In a judgment released on Friday, Justice Goh Yihan explained his reasons for awarding the damages to the two ministers, who had filed separate defamation claims against Lee, the youngest son of the city state's founder Prime Minister, the Late Lee Kuan Yew.The lawsuits were initiated over comments Lee Hsien Yang made on his Facebook page on July 23 last year, suggesting that the ministers had acted corruptly by having the Singapore Land Authority (SLA) give them preferential treatment in the rental of the Ridout Road properties.Lee, who is not in Singapore, also charged that "trust in the People's Action Party (PAP) PAP has been shattered", pointing to then-PM Lee Hsien Loong's "failure of leadership".

The People's Action Party (PAP), founded by the late Lee Kuan Yew, has ruled Singapore ever since independence.

The Facebook comments came after the Corrupt Practices Investigation Bureau (CPIB), in its findings released a month before the post, said there had been no wrongdoing or preferential treatment given to the two ministers.Lee did not appear in court to defend himself against the allegations.Shanmugam, who is the Law and Home Affairs Minister, and Foreign Affairs Minister Balakrishnan were represented by Senior Counsel Davinder Singh and took the stand briefly in a hearing earlier this month.Justice Goh said he was satisfied that Lee had "consciously chosen not to respond" to the claims.Lee cannot contest his liability for defamation as he did not turn up or find a lawyer to represent him on the assessment of damages, Justice Goh said, adding that he had to decide the case based on the claimants in the absence of any countervailing material the former PM's younger brother could have produced."They are public leaders and persons of the highest integrity who undoubtedly have a high standing. Accordingly, this is a factor that points towards the award of higher damages," Channel News Asia quoted Justice Goh

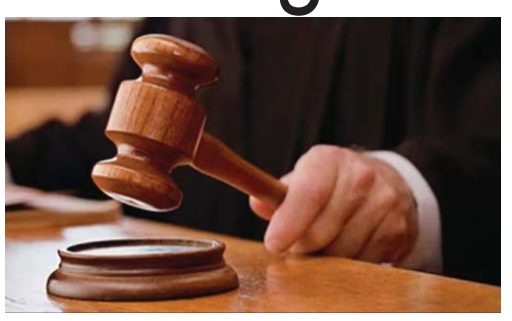

as saying.Lee is also "well-known in Singapore" with over 89,000 followers on Facebook, a factor that points towards awarding higher damages, the judge said, agreeing with the ministers' arguments.

Justice Goh also found that Lee had "acted with malice" in posting the offending words, justifying not only higher damages but aggravated damages.

"Based on the evidence before me, I find that the defendant knew the offending words were false, that he published them recklessly, and/or without considering or caring whether they are true or not," said Justice Goh.He said the evidence shows that Lee's post came after CPIB's investigation already found no preferential treatment given to the ministers over the Ridout Road properties."The CPIB's investigation also established that there was no evidence that the claimants had abused their position for personal gain. This is because trees were felled with the National Parks Board's approval, and the works that the SLA had done to 26 and 31 Ridout Road as landlord were to make them safe and habitable in accordance with conservation guidelines," said Justice Goh."Thus, the works done by the SLA prior to handover were consistent with its general practices and comparable to that done for similar properties."In determining the appropriate amount of damages, Justice Goh referred to past cases of defamation involving Cabinet or prime ministers.

The general and aggravated damages awarded to a prime minister have ranged from "SGD230,000 to SGD260,000 in the 1980s to sums in excess of SGD300,000 in the last 20 years", the judge noted.On top of the damages, he ordered Lee to pay costs of SGD 51,000 to each minister, according to the Channel report.

NEWS BOX

Alec Baldwin request to drop indictment for 'Rust' shooting rejected

UPDATED A New Mexico judge on Friday rejected Alec Baldwin's bid to dismiss an involuntary manslaughter charge for the 2021 shooting of cinematographer Halyna Hutchins, opening the way for an unprecedented trial of a Hollywood actor for an on-set death.

Baldwin's lawyers argued at a May 17 hearing that a grand jury indictment of the actor was "a sham" as a New Mexico state prosecutor failed to tell jurors they could question defence witnesses and stopped them hearing evidence helpful to the actor's case.District court Judge Mary Marlowe Sommer, in a court filing, denied the request.The trial is scheduled to stand trial on July 10.Hutchins was shot with a live round after Baldwin pointed a gun at her as she set up a camera shot on a film set near Santa Fe, New Mexico. The "30 Rock" actor maintains he did not pull the trigger, an assertion that has become central to the case.Sommer sentenced "Rust" armorer Hannah Gutierrez to 18 months prison in April after a Santa Fe jury found her guilty of involuntary manslaughter for loading the live round into the reproduction Colt Single Action Army revolver Baldwin was rehearsing with.Hutchins died in the first on-set fatal shooting with a live round mistaken for a dummy or blank round since Hollywood's silent era, according to historian Alan Rode.Hollywood on-set shootings have in the past been settled through civil lawsuits, such as the last fatality in 1993 when Brandon Lee was killed when a blank round dislodged a bullet stuck in a revolver's barrel during filming of "The Crow."

Australian Bakery Bakes Hamas-Themed Birthday Cake For Four-Year-Old, Probe Launched

Sydney, Australia Police in Australia are probing a bakery in Sydney which made a cake featuring Hamas terrorist and propagandist Abu Obeida and Palestinian flags for a four-year-old boy. The cake was made by a company called Oven Bakery by Fufu. The Australian Federal Police have launched a probe.The bakery also went ahead and uploaded the photos of the cake it baked to social media but deleted those posts following furious backlash which forced it to shut down its Facebook and Instagram pages.The premier of the Australian state of New South Wales, Chris Minns, called the images that adorned the cake "horrifying".

"(Hamas is) an evil terrorist organisation. Kids' parties should be innocent and fun, not hateful. It is horrifying (that there were cakes with the face of Abu Ubaida on them)," Minns was quoted as saying by Australian media outlets. "Instead of baked goods celebrating terrorists, we should be celebrating people in our community who are promoting a more cohesive society," Mark Speakman, the leader of the opposition in New South Wales, said.Abu Ubaida is a pseudonym used by Huzaifa Samir Abdullah al-Kahloot, who is the spokesman for Hamas' armed wing, the Izz ad-Din al-Qassam Brigades, according to the Israeli army. Very little is known about him and he appears mostly on social media wearing a red keffiyeh scarf and his face masked.Photos also showed a little boy named Omar standing beside the cake with his finger raised. He was dressed in a red and white headscarf and a camouflaged jacket, just like the image of Abu Ubaida on the cake. Abu Ubaida was also seen on the cupcakes that were made for Omar's birthday party.The Australian Jewish Association called it child abuse."Dressing up a child as a terrorist, including with what appears to be a Hamas headband, is reprehensible and a form of child abuse. Islamic extremism and radicalisation of youth is not just a problem for the Jewish community. It's a threat to all Australians," said Robert Gregory, the chief executive of the Australian Jewish Association.

Over 300 buried as landslide hits Papua New Guinea

WORLD. A landslide in northern Papua New Guinea has buried more than 300 people and over 1,100 houses, local media reported on Saturday. The disaster struck Kaokalam village in Enga Province at around 3 am on Friday, approximately 600 km northwest of the capital, Port Moresby.The Papua New Guinea Post Courier cited Member of Parliament Aimos Akem, who reported that 1,182 houses were buried in the landslide.

Australia's department of foreign affairs and trade (DFAT) confirmed that more than six villages in the province's Mulitaka region were affected. A DFAT spokesperson said that Australia's high commission in Port Moresby is in close contact with PNG authorities to assess the damage and casualties.The Australian Broadcasting Corporation reported on Saturday that four bodies had been retrieved after emergency teams reached the area with the death toll is expected to rise. The landslide has blocked highway access, leaving helicopters as the only means to reach the affected area.Social media footage posted by villager Ninga Role showed residents searching for survivors amid rocks, uprooted trees, and dirt. Women could be heard weeping in the background.

The landslide has obstructed a crucial road leading to Porgera, a town known for its significant gold mining operations.Prime Minister James Marape announced that disaster officials, the defence force, and the department of works and highways are assisting with relief and recovery efforts.

IMF, Pakistan China conducts military exercise around Taiwan after new president's inauguration

WORLD China concluded a two-day military exercise around Taiwan, simulating attacks with bombers and practicing boarding ships, as reported by Taiwan's defence ministry on Saturday. The drills, named "Joint Sword - 2024A", were launched three days after Lai Ching-te became Taiwan's president, whom Beijing considers a "separatist".According to China's defence ministry, the exercises were a response to Lai's inauguration speech, in which he stated that the two sides of the Taiwan Strait were "not subordinate to each other".Lai has repeatedly offered talks with China but has been rejected, maintaining that only the Taiwanese people can determine their future and rejecting Beijing's sovereignty claims. Taiwan's government has denounced the drills and stated that it will not be intimidated by Chinese pressure.Taiwan's defence ministry reported that on Friday, 46 Chinese military planes crossed the Taiwan Strait's median line, which previously served as an informal boundary between the two sides. In total, 62 Chinese aircraft and 27 navy ships were detected.

Indian-origin truck driver behind crash that killed 16 in Canada to be deported

Toronto, An Indian-origin truck driver who caused a horrific bus crash in Canada that killed 16 members and injured 13 others of a junior hockey team in 2018 was on Friday ordered to be deported to India.Jaskirat Singh Sidhu, a truck driver from Calgary, barrelled through a stop sign and into the path of the Humboldt Broncos junior hockey team's bus at a rural intersection near Tisdale in Saskatchewan Province.Sixteen people on the bus were killed and 13 were injured in the accident on April 6, 2018.

The decision came on Friday at an Immigration and Refugee Board hearing in Calgary for Sidhu.

Sidhu's lawyer Michael Greene has said the decision was a foregone conclusion, as all that's required to deport Sidhu is proof that he's not a Canadian citizen and he committed a serious crime, CBC news reported.Sidhu is from India and has permanent resident status in Canada."It's pretty open and shut," Greene was quoted as saying by the Canadian Press news agency.

"There's nothing to contest, so those are as clear as day. These hearings are usually done lickety-split."

He was granted parole after being sentenced to eight years for dangerous

driving in the 2018 bus crash.Sidhu's lawyer has said there are still numerous other legal procedures to come, and the deportation process could take months or years.In December, the Federal Court dismissed applications from Sidhu's lawyer, who had argued border officials did not consider Sidhu's previously clean criminal record and remorse. He wanted the court to order the border agency to conduct a second review."This is part of the sadness of the whole process. We're left with a situation where permanent residents have no rights whatsoever to have their personal circumstances considered," Greene said, before Friday's hearing.

"Our only mechanism is (hat) after he's ordered deported, we're going to ask them to give back his (permanent resident) status (based) on humanitarian grounds."But in the meantime, he has no status."

Greene said Sidhu won't immediately be taken into custody after the hearing is over, the report said.He said a pre-removal risk assessment has to be conducted and Sidhu can also ask for a deferral while his request for permanent resident status is considered.

The process, Greene said, could take months or years.Several family members of those killed in the crash have said they want Sidhu deported.

Blackstone's Steve Schwarzman Endorses Donald Trump For 2024 US Presidential Race

Curated By The chairman, CEO, and co-founder of Blackstone, the US private equity and real estate giant, has announced support for Donald Trump as a "vote for change" in the upcoming presidential election in September. Stephen A. Schwarzman on Friday said that he plans to donate to Trump and various Republican Senate candidates, according to US-based outlet Axios.Schwarzman's backing of Trump grants the former US president access to a formidable network of Republican donors cultivated by the billionaire. Schwarzman, a lifelong moderate Republican and billionaire, had been one of Trump's most visible business supporters during his tenure in the White House.

However, in the lead-up to this year's GOP primaries, Schwarzman

advocated for a shift towards "a new generation of leaders," refraining from endorsing any primary candidate. However, concerns over rising antisemitism, coupled with apprehensions regarding President Joe Biden's policies, prompted Schwarzman to re-embrace Trump.

Ahead of the elections, while some business leaders are gravitating back toward Trump, Blackstone, under Schwarzman's leadership, has maintained a bipartisan stance. In a statement to Axios, Schwarzman underlined the urgency of the upcoming elections, citing the "dramatic rise of antisemitism" and expressing shared concerns over economic, immigration, and foreign policies veering off course.

He then pledged his support for Trump's presidential bid, alongside backing Republican Senate candidates and other party members across the electoral spectrum. After Trump's defeat in November 2020, Schwarzman urged the former president to acknowledge the outcome. Later, in light of the Republican Party's underwhelming midterm performance, reports surfaced of Schwarzman exploring alternative candidates for the 2024 presidential race.

US President Joe Biden, Kenya's William Ruto pledge protect democracy in Africa and beyond

World US President Joe Biden welcomed Kenyan President William Ruto to the White House on Thursday for a state visit, pledging new partnerships on technology, security and debt relief to the leader of one of Africa's strongest democracies.Ruto's is the first state visit by an African president to the White House since 2008, a gesture toward the importance of a continent that is home to 1 billion people and nurtures close trade ties with China, but which ranks behind the wars in Ukraine and Gaza on Washington's agenda.On Thursday evening, Ruto was the guest of honor at a lavish state dinner that drew a wide range of guests, from singer-songwriter Don McLean to NFL commissioner Roger Goodell, the CEOs of Walmart and Pfizer as well as former President Bill Clinton. Former President Barack Obama, whose father was Kenyan, made a brief appearance before the meal."We may be divided by distance, but we are united by the same democratic values," Biden said as he greeted Ruto on the South Lawn of the White House. Biden reminisced about his own visits to Kenya as a young man, hailing 60 years of diplomatic relations between the two countries after Kenya's independence."My visit takes place at a time when democracy is perceived to be retreating worldwide," Ruto said, standing with Biden, Vice President Kamala Harris and other cabinet officials. Earlier, he had met privately with Biden in the Oval Office.

"We agreed on the significant opportunity for the US to radically recalibrate its strategy and strengthen its support for Africa," Ruto said. Biden said he would designate Kenya as the first sub-Saharan African country to be a major non-Nato ally. Qatar, Israel and 16 other countries share that designation.Nairobi and Washington cooperate on fighting terrorism in Africa, stability in Haiti and supporting Ukraine.

The Kenyan president arrived in the United States on Monday and visited Atlanta, then spoke with business executives in the White House on Wednesday. On Friday, he will discuss digital inclusion in Africa with Vice President Kamala Harris at an event hosted by the US Chamber of Commerce.Successive US governments have said they wanted to offer African countries a more sustainable and democratic alternative to relations with China and Russia, but Washington has failed to establish deep ties.The continent's political landscape has been upended in the past year by a spate of military coups, wars and shaky elections that have given China and Russia greater influence. Biden hopes strengthening ties with Kenya, seen as a democratic stronghold, can help stabilize the continent and advance US interests.In a joint statement, the two leaders said they would work together to support the Somali government in its fight against terrorism and asked warring parties in Sudan to allow humanitarian access to aid and agree to a ceasefire.

US missionary couple among 3 killed in Haiti gang violence

A US missionary couple and a Haitian man who worked with them were shot and killed by gang members in Haiti's capital after they were attacked while leaving a youth group activity held at a local church, a family member said Friday.

The attack happened Thursday evening in the community of Lizon in northern Port-au-Prince, Lionel Lazarre, head of a Haitian police union, told The Associated Press.The slayings occurred as the capital crumbles under the relentless assault of violent gangs that control 80% of Port-au-Prince while authorities await the arrival of a police force from Kenya as part of a UN-backed deployment aimed at quelling gang violence in the troubled Caribbean country.Two of the victims were a young married couple, Davy and Natalie Lloyd, according to a Facebook posting from Natalie Lloyd's father, Missouri state Rep. Ben Baker. The third victim was Jude Montis, who was the country's director of Missions In Haiti Inc.

"My heart is broken in a thousand pieces," Baker wrote on Facebook on Thursday. "I've never felt this kind of pain. Most of you know my daughter and son-in-law Davy and Natalie Lloyd are full-time missionaries in Haiti. They were attacked by gangs this evening and were both killed. They went to Heaven together."Hannah Cornett, Davy Lloyd's sister, told the AP that her brother was 23 years old and Natalie Lloyd was 21. They were going to celebrate their two-year anniversary in June and his birthday in early July.Cornett said her parents are full-time missionaries in Haiti, and that she and her two brothers grew up there."Davy spoke Creole before he spoke English. It was home," she said in a phone interview. "Haiti was all we knew."

Cornett, 22, said her parents run an orphanage, school and church in Haiti, and that she and her brothers grew up with the orphans: "It was just one big happy family there."She said her older brother was outgoing, had built a garden and raised a lot of animals. While he went back to the US for Bible college and then got married, he returned to Haiti with Natalie Lloyd to do more humanitarian work."They just had a lot of love for Haiti, and they just wanted to help the people there," Cornett said. "That's their calling."Cornett noted that Montis worked with her parents for 20 years and left behind two children, ages 2 and 6.

She said the night of the attack, three vehicles carrying gang members stopped the Lloyds and Montis as they crossed the street, hitting her brother in the head with the barrel of a gun. They forced him upstairs, stole their belongings and left him tied up. As people were helping untie Davy Lloyd, another group of armed gunmen showed up."Nobody knows what happened," she said.An unidentified person got shot and the gunmen opened fire as the Lloyds and Montis fled to the house where her parents live, Cornett said.

"They tried to take cover in there, but the gang shot up the house," she said, adding that they were killed and their bodies set on fire.Cornett said her mother flew back from Haiti about a month ago, and that her father and younger brother flew out Wednesday because things had been so calm in the neighborhood.

"Nobody expected this to happen," she said between tears.On Friday afternoon, Baker posted on Facebook that the bodies of Davy and Natalie Lloyd were safely transported to the US Embassy.

The couple worked for Missions In Haiti Inc. The Claremore, Oklahoma, organization was founded by David and Alicia Lloyd, Davy Lloyd's parents. Natalie Lloyd's Facebook page said the couple married on June 18, 2022, and she began working with the missionary organization in August 2022. She frequently posted photos of Haitian children on her page.A Facebook posting on the Missions In Haiti page late Thursday read: "Around midnight: Davy and Natalie and Jude were shot and killed by the gang about 9 o'clock this evening. We all are devastated."Alicia Lloyd, mother of Davy Lloyd, told the Oklahoma-based Claremore Daily Progress newspaper that her son "was one of these people who could do anything."

"I hope something good can come out of this. We don't see it now, but we don't want (their lives) to be in vain," she was quoted as saying.US Department of State spokesman Matthew Miller said the ambassador in Haiti was in touch with the families "who we know are experiencing unimaginable grief.""Unfortunately, this serves as a reminder that the security situation in Haiti cannot wait – too many innocent lives are being lost," he said in a statement as he noted the US government's commitment for a swift deployment of the Kenyan-led mission.

NEWS BOX

Shahbaz Ahmed had best day for SRH in Qualifier 2: Helmot lauds all-rounder's spell

New Delhi . SRH beat RR by 36 runs the Qualifier 2 of the Indian Premier League to reach the final of the tournament. Despite scoring just 175 runs in the first innings, SRH put an epic middle-overs choke on the Sanju Samson side to clinch the game with ease. All-rounder Shahbaz Ahmed was crucial to SRH's victory, picking up 3 wickets for just 23 runs and scoring 18 in a crucial partnership with Heinrich Klaasen. After the match, assistant coach Simon Helmot lauded the player for coming clutch in a crucial match.

Helmot said that Pat Cummins and Daniel Vettori recognised the need for Shahbaz in the line-up once SRH lost a flurry of wickets and the move worked out brilliantly. The assistant coach said that Shahbaz had his best day for SRH in the Qualifier 2 and was extremely crucial for the side's balance.

"We needed a batter to come in after losing too many wickets and we knew how skilful he (Shahbaz Ahmed) is with the ball as well. So we're getting a multi-skilled player in that position. So it just happened that we thought we were a few runs short, so we needed to get another partnership or two at the back end to try and get a competitive total. And he certainly helped us out with that, and obviously what he did with the ball was fantastic. That was brilliant," Helmot spoke about Shahbaz Ahmed in the post-match press conference.SRH vs RR, IPL Qualifier 2: Highlights | Scorecard

"He's had his best day for the SunRises today. Him and Abhishek's spell in the middle there. What was it? Five wickets close to 47 runs, eight overs. That was a fantastic output from them," Helmot further added.

SRH vs RR: Match Report

Shahbaz was brought in from RCB ahead of the IPL 2024 in a trade. SRH let go of spinner Mayank Dagar and brought in an all-rounder instead. Helmot explained in details about how important Shahbaz was to the side and and called the SRH management smart for opting to make the deal ahead of the season.

"I don't know all the background to how the deal was done, but what I do know is we've got a multi-skilled player who is very experienced, can bat at the top of the order or in fact, in the middle of the order, can bowl nearly anywhere in an innings more so maybe the power play in the middle overs. So I think when the opportunity presented, Dan (Vettori) and those who make the decisions at SRH were very wise in making that trade. He's played a lot of games for us and has been an important element. He helps balance out our side. He and Nitish Reddy have been quite versatile. And that certainly makes it easier when it comes to squad balance," Helmot concluded on the matter.

KKR mentor Gautam Gambhir votes in New Delhi day before IPL 2024 Final

New Delhi KKR mentor Gautam Gambhir exercised his right to vote in New Delhi a day before the Indian Premier League Final in Chennai. Gambhir will now fly out to Chennai to join his team for the finale vs SRH. Gambhir, who has been a rock for KKR this season has been able to guide his team to the final of the tournament in a dominant fashion. After topping the group stage with 9 wins from 14 games, KKR beat SRH in a dominant manner in Ahmedabad to qualify for the final. KKR will once again meet SRH in the summit clash on Sunday, 26 May in Chennai's MA Chidambaram Stadium.KKR have had the better of SRH in both times they have met this season. KKR played their tournament opener against SRH and just about clinched the game at their home venue of Eden Gardens in a final over thriller. KKR's second meet in Ahmedabad in the Qualifier 1 was much more straightforward as the side had the better of SRH in all three departments of the game.One of Gambhir's major moves this season after joining the team was to re-evaluate the role of Sunil Narine. Narine's new role at the opening position has worked wonders for him and the team as the spinner has been one of the tournament's most valuable players this season. In IPL 2024 Narine scored his maiden T20 century and has looked menacing with the ball as well.

India awarded silver, bronze in F46 javelin after winning protest at World Para Athletics championship

KOBE. India were on Saturday awarded the silver and bronze in the men's javelin throw F46 event after winning a protest against second-place finisher Dinesh Priyantha Herath of Sri Lanka at World Para Athletics Championships here.inku Hooda and Ajeet Singh on Friday finished third and fourth respectively in the men's F46 javelin throw final but the result was put on hold after India protested that Herath was ineligible to compete in the category.In para sports, athletes are classified with similar levels of physical ability to allow fair competition. The F46 classification is for athletes with arm deficiency, impaired muscle power or impaired passive range of movement in arms, with athletes competing in a standing position."He (Herath) was not classified properly and did not belong to F 46 category," said an official from Paralympic Committee of India.India got a favourable decision and Herath was disqualified.Rinku, who originally finished third with an effort of 62.77m, was upgraded to second while Ajeet (62.11m) was handed a bronze."We won the protest against the Sri Lankan, who had also won gold at the Tokyo Paralympics, that he should not have been eligible to compete,? head coach Satyanarayan told .

Archery World Cup: Indian women compound archers strike gold

The Indian trio of Jyothi Surekha Vennam, Parneet Kaur and Aditi Swami grabbed their third successive Archery World Cup gold medal, beating Turkey on Saturday.

Dipika said that Karthik kept re-inventing himself

New Delhi . The Indian trio of Jyothi Surekha Vennam, Parneet Kaur and Aditi Swami grabbed their third successive Archery World Cup gold medal, beating Turkey on Saturday, 25 May. The Indian trio of Jyothi Surekha Vennam, Parneet Kaur and Aditi Swami grabbed their third successive Archery World Cup gold medal, beating Turkey 232-226 in a lopsided compound women's team final at the stage two event in South Korea.

The world number one Indian compound women's team dominated Turkey's Hazal Burun, Ayse Bera Suzer and Begum Yuva right from the first end and sealed the gold without dropping a set, with a healthy six-point margin.

For Jyothi, Parneet and world champion Aditi this completed a hat-trick of World Cup gold medals together.They had won the season opening World Cup Stage 1 in Shanghai, downing Italy and also ended last year with a gold at the stage four of the event in Paris.India will be eyeing a second gold of the competition when Jyothi and Priyansh take on the USA in the compound mixed team final later in the day.

Indian Archers Shines in World Cup

Earlier, the Indian men's recurve team scored a historic victory at the Archery World Cup, defeating reigning champions South Korea. This victory marks their first triumph over South Korea in a World Cup final, boosting

their prospects for the upcoming Paris Olympics.The Indian men's recurve team of Dhiraj Bommadevara, Tarundeep Rai and Pravin Jadhav shocked reigning Olympic champions South Korea in a historic win to land an Archery World Cup gold medal after 14 years.he trio of Dhiraj, Tarundeep and Pravin showed ice-cool composure to get the better of the mighty Koreans without dropping a set. The 40-year-old Army man Tarundeep was also a part of the gold medal-winning team in Shanghai World Cup Stage 4 in August 2010. Then the recurve team comprising Rahul Banerjee, Tarundeep and Jayanta defeated Japan.

In a battle between the top two seeds of the competition, India won 5-1 (57-57, 57-55, 55-53), taking their gold medal count to five in the season-opening Stage 1 World Cup. The success also rubbed on the mixed team of Ankita Bhakat and Dhiraj who trounced Alejandra Valencia and Matias Grande of Mexico 6-0 (35-31, 38-35, 39-37) to win bronze. Overall, India has five gold, one silver and a bronze so far, while former world No. 1 Deepika Kumari is in the hunt for another medal, playing her women's recurve individual semifinal later in the day. In the men's team final, India was up against its nemesis South Korea, who featured two members of the Tokyo Olympics gold medal-winning team in Kim Woojin and Kim Je Deok. Lee Woo Seok was the third member.

French Open 2024: With target on back, Iga Swiatek aims for hat-trick at Roland Garros

New Delhi . World No.1 Iga Swiatek sounded high on confidence before starting her title defense at the French Open 2024. Having won 3 titles at Roland Garros with back-to-back glories in 2022 and 2023, the Pole said that she has risen up the ranks at a brisk pace in the last couple of years. This season, the youngster will start her campaign against France's Leolia Jeanjean on Sunday.World No.1 Iga Swiatek sounded high on confidence before starting her title defense at the French Open 2024. Having won 3 titles at Roland Garros with back-to-back glories in 2022 and 2023, the Pole said that she has risen up the ranks at a brisk pace in the last couple of years. This season, the youngster will start her campaign against France's Leolia Jeanjean on Sunday.Swiatek has been in jaw-

dropping form on clay, having recently won the titles in Madrid and Rome, where she got the better of Sabalenka both times in the finals.

"Comparing the results, or my feelings, two years ago it was all kind of new for me, and I think I won so many matches also because nobody really expected it. When the streak started, I wasn't even second in the rankings, so I think other players were also unprepared maybe for my game sometimes," Swiatek said.'I am more proud of what's happening'It does not come as a surprise that Chris Evert backed her to break her record of most French Open titles in the women's circuit. Having won 4 Grand Slam titles until now, Swiatek aims to carry the winning streak going in the clay-court major."Now it's different. Now they are prepared, and I feel like I keep having a target on my back, because I'm No. 1. So I think actually I'm more proud of what's happening right now and winning all these titles this year already has shown that we are going on the right path," Swiatek added.

'Contrast of emotions': Camera captures despondent RR and ecstatic SRH after Qualifier 2

IPL camera captured the contrasting emotions of SRH and RR after the Qualifier 2 game on Friday, May 24 at the MA Chidambaram Stadium in Chennai. SRH beat RR by 36 runs and qualified for the final.

New Delhi The Indian Premier League 2024 Qualifier 2 game saw SRH beat RR by 36 runs on Friday, May 24 and seal their place in the final of the tournament. Following the game, the raw emotions of both teams were captured by the cameras as IPL created a special video out of it.The video showed RR batter Riyan Parag dejected along with the entire camp while the SRH camp jubilantly celebrated their win with the entire team brimming with joy. The 41-second clip also showed both captains Pat Cummins and Sanju Samson exhibiting two extremely contrasting human emotions as elated Cummins could be seen hugging his teammates while a despondent Samson walked back to the dressing room.Coming

back to the SRH vs RR clash, after being put in to bat first, SRH lost their dangerous opening batter Abhishek Sharma (12 off 5) in the very first over against Trent Boult. Despite the early loss, Rahul Tripathi came out with an all-out attacking approach and scored a quick-fire 37 (15). Travis Head (34 off 28) batted in an uncharacteristic fashion and failed to convert his start to leave his side on 99/4 after ten overs.

The Pat Cummins-led side was further left reeling at 120/6 after 14 overs with RR bowlers going all over them. However, a crucial half-century from Heinrich Klaasen (50 off 34) guided his team to 175/9 in their allotted 20 overs. Avesh Khan (3/27) and Trent Boult (3/45) were the pick of the bowlers for RR having picked up three wickets each while Sandeep Sharma (2/25) also chipped in with two wickets.

Shahbaz Ahmed spins a web around RR

In reply, RR got off to a good start with their opener Yashasvi Jaiswal (42 off 21) looking in fine form. However, his dismissal against Shahbaz Ahmed in the eighth over led to a dramatic collapse which saw his RR losing four wickets in a space of 14 runs.Dhruv Jurel walked in at number five and tried to keep his team in the game with a heroic knock of 56* off 35.

owever, he failed to get any support from the other end as RR could only reach 139/7 in their 20 overs and lost the match by 36 runs. Shahbaz Ahmed was adjudged Player of the Match for picking 3/23 in four overs while Abhishek Sharma also chipped in with two wickets giving away 24 runs from his four overs. As a result, SRH qualified for the final and will take on KKR in the summit clash on Sunday, May 26 at the same venue.

Team meeting was 35 seconds: Helmot lauds Pat Cummins' captaincy in IPL 2024

SRH assistant coach Simon Helmot has lauded SRH captain Pat Cummins for his clarity of thought while leading the team. Helmot has revealed that the team meeting before the RR game was only 35 seconds.

New Delhi SRH assistant coach Simon Helmot has lauded Pat Cummins' clarity of thought while leading the team in the Indian Premier League 2024. Under Cummins' leadership, SRH have made a dramatic turnaround and have reached the final of the 2024 season, after finishing at the bottom in 2023. Helmot, who has been a part of both campaigns has summed up the difference that Cummins has made to the team. Speaking in the press conference, Helmot said that Cummins is so clear in his approach that the team meeting ahead of their Qualifier 2 vs RR last only 35 seconds.

Helmot called Cummins a practical and humble guy and said that he was very empathetic towards his fellow teammates and coaches. Cummins came into the SRH side after winning the World Test Championship Final and ODI World Cup Final in 2023 and brought his Midas touch with him. Cummins and head coach Daniel Vettori have given the team a distinct identity in IPL 2024, something that was not seen previously in the last three seasons."Very practical guy. Very humble, very empathetic with his fellow teammates and coaching staff. He is into the statistics, gets the information he needs against a particular opposition in certain conditions. He doesn't waste time.

Doesn't waste time in meetings. I think our

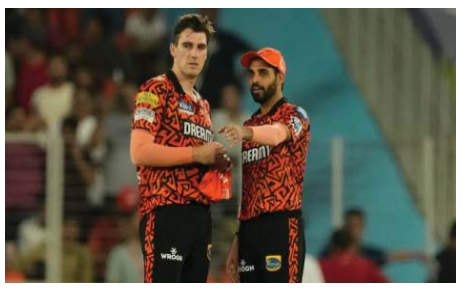

team meeting today went for 35 seconds," Helmot said in the post-match press conference."But a lot of information has already been spoken about. There's a lot of one-on-one conversations with, you know, our fielding coach Cookie (James Cook) or James Franklin, the bowling coach. I suppose we probably limit the large group meetings, but we still have them when we need them to ensure that you know, we're ready for any day," he further added.Helmot credited SRH's win over RR to the captain and the coach duo. Helmot said that the duo read the conditions extremely well, and the bowling changes that Cummins made in the middle overs won SRH the game.On Friday night, it seemed like SRH were out of the game after scoring only 175 runs in the first innings. But the team hit back in the middle-overs in the second innings with a terrific spell between Abhishek Sharma and Shahbaz Ahmed. The part-time duo bowled 8 overs between them, gave away 47 runs and picked 5 wickets."I think a lot of credit goes to our captain. I think he made a decision at the time where he felt the conditions were conducive to spin. There were two right handers in. At the time, he felt that left-arm orthodox spinners would be a good option at work.

The Abhishek one, I have not asked Pat this, but I dare say it may have been a gut feeling one. And if that's the case, you know what a wonderful decision it was because it certainly changed the complexity of the game," Helmot spoke about the captaincy.

Pat Cummins 'lucky' to have ticked off ICC titles in dominant run in world cricket

New Delhi . Australia Test and ODI captain Pat Cummins recently opened up on his team's dominant run in international cricket and said that they've been really lucky with their careers. Notably, the Kangaroos are on a roll in international cricket under the leadership of Cummins having won the World Test Championship (WTC) and the ODI World Cup in 2023.Recently, the Aussie skipper was asked where would he rate his team among the great Australian sides from the past 20 years. The 31-year-old refrained from making any comment and said that it's for the people to decide. However, Cummins mentioned that they've ticked off almost everything and have been happy with how the group has been."It's not for me to say. We've ticked off almost everything that you would hope for. Most of the guys have won, the World Test Championship now, multiple World Cups. We all have been really really lucky with the careers that we've had. I will let others decide that but yeah really happy with how the group has been," said Cummins in an exclusive conversation with SportsTak.The Australian seamer was also asked about the subdued reception of their team in Australia after the World Cup win in India. Explaining the condition, Cummins revealed that everyone in the country was buzzing following the victory but the euphoria was a bit different from India.

Cummins on subdued celebration of World Cup win in Australia

"Yeah, that's Australia for you. It's great, it's peaceful. It is a little bit different because everyone flies off to different states. We didn't have kind of one big celebration upon arrival back in Australia but I can tell you that everyone was buzzing every time we went out on the streets. Out for the coffee or whatever for the next couple of weeks, everyone was absolutely about that World Cup final as were we, the players. Might not be like the streets lined up as maybe you'd get here if India won but I can tell you a lot of fans were really happy," he added.

Meanwhile, Cummins has led SRH to their third Indian Premier League final following a 36-run victory over RR in Qualifier 2. Hyderabad will next take on KKR in the summit clash on Sunday, May 26 at the MA Chidambaram Stadium in Chennai. Having won two major ICC trophies in his captaincy tenure so far, captain Cummins will be eager to add an IPL trophy to his cabinet as well.

Mouni Roy

Sizzles In A Free Flowing Backless Gown, Hot Photos Go Viral

Mouni Roy is making heads turn and how. The actress has a noteworthy approach towards fashion and never fails to dish out major fashion goals. Away from the frenetic pace and chaos of everyday life, the actress has escaped for a vacation in Bali, and recently dropped in a bundle of ravishing photos, flaunting her curvesMouni was a complete vision to behold. The actress donned a free flowing attire, in shades of pink and red. With her hair tied to a neat pony, she found the right balance between elegance and charm, as she flaunted her curves. Fans couldn't stop gushing over her beauty and flooded the comments section with heartfelt notes.

Mouni Roy has come a long way ever since she made her television debut with Ekta Kapoor's Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi. She became a popular name after she starred in Naagin. Mouni made her Bollywood debut with Akshay Kumar's Gold in 2018. Last year,

Mouni was seen in Ayan Mukerji's magnum opus, Brahmastra. Recently, she was also seen in a music video titled 'Dotara' along with Jubin Nautiyal. Mouni Roy was also seen in the web-series Sultan of Delhi. She was last seen in Emraan Hashmi-starrer Showtime.

In a recent interview, Mouni shared that it is projects like Sultan of Delhi and Brahmastra which changed people's perception of her as an actor. "Brahmastra was absolutely different. When you see Gold, RAW and Made In China, I had played very Indianised characters. Maybe after Naagin and Sati, people could only see me as a 'saree-clad Indian character'. So, for Milan sir to think of me as this cabaret dancer Nayantara, at a time when Brahmastra had not even released. I think it is an exciting time to be an actor where makers can visualise you in different roles. Such great parts are being written. I really feel fortunate to be offered these parts and be able to play them on screen.

Rashmika Mandanna

Shares Adorable Photos Featuring Dogs From Her Gallery, Fans React; See Here

Rashmika Mandanna took to her social media handle to share glimpses of her lovely moments with furry friends. The actress has a deep affection for dogs, and her latest post is proof. Fans were seen reacting to it. Many called Rashmika cute.In the photos, she is seen posing with different dogs whom she met at a different places. "Anytime I find a fur ball around me.. it feels like a universal compulsion for me to spend a good amount of time with them.. and I was going through my gallery from since forever and these are some lovely moments I haven't been able to share with you.. so here. But on the other hand I think I should make aura and me separate series.. she'll just make you laugh..," read the caption.

Pushpa 2 makers are all set to release the second song titled Sooseki on May 29. Well, ahead of releasing the full video, they shared a BTS teaser video featuring Rashmika Mandanna. She is seen doing a new catchy step. The song will feature lead couple Allu Arjun and Rashmika which has already created a lot of excitement among the fans. Taking to their X handle, the makers shared an announcement video in which we can see Rashmika wearing a striped tee and getting ready. She is then asked to hook step of the song. And she does it too. On Wednesday the poster of the song was shared which instantly went viral.Recently, the title track was released. The song opens with celebrating the journey of Allu Arjun from a common man to a famous goon. The strong lyrics describe his character along with others. The groovy tune of the song is definitely set to top the music charts for days to come.

Earlier this month, the makers of Pushpa 2 also released the teaser of the film on Allu Arjun's birthday. In the teaser, Allu Arjun was seen dressed in a saree with his face painted in shades of blue and red. He also sported makeup with heavy traditional gold and flower jewellery. He was seen beating up goons.rected by Sukumar, the last leg of shooting for Pushpa 2 is currently underway. Besides Allu Arjun, the film also stars Rashmika Mandanna in the lead. Previously, Rashmika talked about the much-awaited film when she promised that it would be "bigger" than ever. "I can promise you that Pushpa 2 is going to be so much bigger. We gave some madness in the first film; in part 2, we know we have a responsibility because people have so much expectation from the film. We are constantly and consciously trying to deliver that," she told Pinkvilla.

Kajol and Prabhudeva Reunite After 27 Years Charan Tej Uppalapati's Hindi Directorial Debut Film

Kajol and Prabhudeva are set to reunite after 27 years in Charan Tej Uppalapati's Hindi directorial debut film. Touted to be a high-budget action thriller, the star-studded spectacle also features industry stalwarts like Naseeruddin Shah, Samyuktha Menon, Jisshu Sen Gupta, and Aditya Seal among its esteemed cast. The first schedule of the mass entertainer has been completed, and the makers are gearing up to release the film's teaser soon.An ambitious venture, the action thriller has top-tier technicians on board, including GK Vishnu as the Director of Photography, Music Director Harshavardhan Rameshwar, and editor Navin Nooli. The screenplay is penned by Niranjan Iyengar and Jessica Khurana. Production designer Saahi Suresh will craft the vual aesthetics.While further details of the project are awaited, the combination of a stellar cast and a top-notch technical crew makes this action spectacle one of the most anticipated upcoming releases. Kajol and Prabhudeva have previously worked together in the 1997 film Minsara Kanavu (also known as Sapnay in Hindi).

Apart from this, Kajol is all set to star in a horror movie titled Maa, produced by Ajay Devgn and directed by Chhorii fame Vishal Furia. The team wrapped up the shoot recently, and the director shared his experience on social media. He stated, "Sometimes destiny gives you a project as it seems fit."Maa" is one such project which came as a gift from the One above. Luv Ranjan sir introduced and recommended me to Devgn Films and I will be highly indebted to him for that.Kajol also has Do Patti in her timeline with Kriti Sanon. Do Patti also marks the debut of writer Kanika Dhillon. She said, "Do Patti is a very special project and there is no greater satisfaction than delivering a great story to your audience that is thrilling and interesting. You will be enthralled to see Kriti Sanon in a never seen avatar and having Kajol who is such a legendary actor was such a great pleasure as a writer producer."

Ishq Vishk Rebound: Rohit Saraf, Pashmina Roshan's Chemistry is Off The Charts In New Song 'Soni Soni'

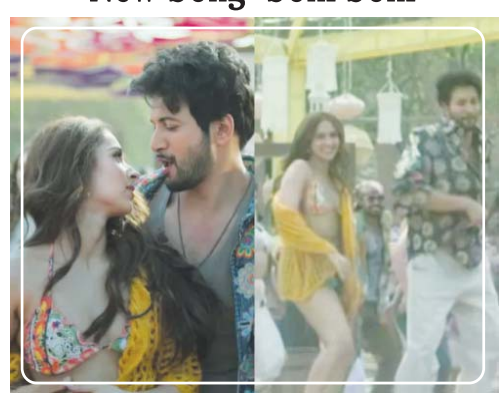

The upcoming sequel to the 2003 hit movie Ishq Vishk, titled Ishq Vishk Rebound, is set to be released on June 21 this year. This romantic comedy is anticipated to delve into themes of love and its intricacies from a Gen Z perspective. Starring Rohit Saraf, Jibraan Khan, Naila Grrewal, and Pashmina Roshan (cousin of Hrithik Roshan) in the lead roles, the film has already built excitement among fans with the release of its second song 'Soni Soni'.

Soni Soni is a mesmerizing romantic song where Rohit and Pashmina not only display their chemistry but also their impressive dance skills. The music is crafted by Rochak Kohli, while the heartfelt lyrics are penned by Gurpreet Saini. Darshan Raval, Jonita Gandhi, and Rochak Kohli have contributed their enchanting voices to this track. The choreography for the captivating dance sequences is skillfully done by Vijay Ganguly.

Set against the backdrop of a scenic party venue, the song features Rohit Saraf and Pashmina Roshan gracefully moving to the infectious beats. Their on-screen chemistry adds an extra spark to the already charming melody, making it the perfect romantic anthem for this summer season.Ishq Vishk Rebound stars Rohit Saraf, Jibraan Khan, Naila Grrewal and Pashmina Roshan. The original film launched Shahid Kapoor. The remake has been produced by Ramesh Taurani and co-produced by Jaya Taurani under the banner Tips Films Limited and is all set to hit the theatres on June 28.

On Wednesday, Shahid Kapoor also took to his Instagram stories and shared a poster of the song. He penned down an emotional note as he also sent wishes to the new Ishq Vishk gang. "21 years and the track still sounds fresh. All the best guys! This one will always be special," he wrote.